नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मानदंडों पर आधारित हिंदी पाठ्यपुस्तक

सरस्वती सरगम

हिंदी पाठमाला

3

लेखिकाएँ

गीता बुद्धिराजा

एम०ए०, बी०एड्०

डॉ० जयश्री अय्यंगार

एम०ए०, एम०फिल० (हिंदी)

(एन०सी०ई०आर०टी०, डी०एस०ई०आर०टी० द्वारा पुरस्कृत)

न्यू सरस्वती हाउस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड

नई दिल्ली-110002 (इंडिया)

NEW SARASWATI HOUSE

Head Office : Second Floor, MGM Tower, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)
Registered Office : A-27, 2nd Floor, Mohan Co-operative Industrial Estate, New Delhi–110 044

Phone : +91-11-4355 6600
Fax : +91-11-4355 6688
E-mail : delhi@saraswatihouse.com
Website : www.saraswatihouse.com
CIN : U22110DL2013PTC262320
Import-Export Licence No. 0513086293

Branches:

• Ahmedabad: Ph. 079-2657 5018 • Bengaluru: Ph. 080-2675 6396
• Chennai: Ph. 044-2841 6531 • Dehradun: Ph. +91-98374 52852
• Guwahati: Ph. 0361-2457 198 • Hyderabad: Ph. 040-4261 5566 • Jaipur: Ph. 0141-4006 022
• Jalandhar: Ph. 0181-4642 600, 4643 600 • Kochi: Ph. 0484-4033 369 • Kolkata: Ph. 033-4004 2314
• Lucknow: Ph. 0522-4062 517 • Mumbai: Ph. 022-2876 9871, 2873 7090
• Nagpur: Ph. +91-70661 49006 • Patna: Ph. 0612-2275 403 • Ranchi: Ph. 0651-2244 654

Revised edition 2020

ISBN: 978-93-53621-52-0

The moral rights of the author has been asserted.

© New Saraswati House (India) Private Limited

Publisher's Warranty: The Publisher warrants the customer for a period of 1 year from the date of purchase of the Book against any Printing/Binding defect or theft/loss of the book.
Terms and Conditions apply: For further details, please visit our website www.saraswatihouse.com or call us at our Customer Care (toll free) No.: +91-1800 2701 460
Jurisdiction: All disputes with respect to this publication shall be subject to the jurisdiction of the Courts, Tribunals and Forums of New Delhi, India Only.

All rights reserved under the Copyright Act. No part of this publication may be reproduced, transcribed, transmitted, stored in a retrieval system or translated into any language or computer, in any form or by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopy or otherwise without the prior permission of the copyright owner. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Product Code: NSS2SRG030HINAB19CBY

This book is meant for educational and learning purposes. The author(s) of the book has/have taken all reasonable care to ensure that the contents of the book do not violate any copyright or other intellectual property rights of any person in any manner whatsoever. In the event the author(s) has/have been unable to track any source and if any copyright has been inadvertently infringed, please notify the publisher in writing for any corrective action.

PRINTED IN INDIA
By Vikas Publishing House Private Limited, Plot 20/4, Site-IV, Industrial Area Sahibabad, Ghaziabad–201 010 and published by New Saraswati House (India) Private Limited, 19 Ansari Road, Daryaganj, New Delhi–110 002 (India)

आमुख

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा से हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहरी तथा व्यावहारिक जीवन से जोड़ना चाहिए। इसी सिद्धांत को ध्यान में रखकर यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। इस पुस्तक के माध्यम से स्कूल और घर की दूरी कम करने का प्रयास किया गया है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने तथा रटा देने की प्रवृत्ति का प्रबल विरोध किया गया है। आशा है कि यह कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति में चर्चित बाल-केंद्रित शिक्षा की दिशा में सफलता प्रदान करवाएगा।

इस उद्देश्य में तभी सफलता मिलेगी, जब सभी स्कूलों के प्राचार्य/प्राचार्या और अध्यापक/अध्यापिकाएँ बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों, रचनात्मक प्रश्नों, पाठ से संबंधित प्रश्नों की मदद से सीखने और अपने अनुभवों पर विचार प्रकट करने का अवसर देंगे। हमारा दृढ़ विश्वास है कि यदि बच्चों को उचित अवसर, समय और स्वतंत्रता दी जाए तो वे अपने ज्ञान, सूझ-बूझ तथा कल्पना से ऊँची उड़ान भर सकते हैं। बच्चों के सामने यदि ज्ञान की सारी सामग्री परोस दी जाए तो वे अपनी क्षमता के अनुसार उसमें से बहुत अधिक ज्ञानवर्धक चीज़ें निकाल लेते हैं। यदि बच्चों को उपदेश दिया जाए तो उन्हें अच्छा नहीं लगता। जब वे कहानी तथा कविता पढ़ते हैं या सुनते हैं, तो नैतिक तथा मानवीय-मूल्य सहजता से स्वीकार कर लेते हैं।

- पुस्तक को तैयार करते समय पाठों का चुनाव बच्चों की बौद्धिक क्षमता तथा भाषा-स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
- पाठ के आरंभ में पाठ को स्पष्ट करने वाली भूमिका दी गई है।
- पाठों में दिए गए चित्र तथा अभ्यास बच्चों को आकर्षित करेंगे तथा वे कुछ-न-कुछ संदेश भी अवश्य ग्रहण करेंगे।
- सोचिए और बताइए यह प्रश्न बच्चों के सोचने, समझने और लिखने की क्षमता को बढ़ावा देता है।
- अभ्यास बनाते समय यह ध्यान रखा गया है कि बच्चे स्वयं सोचें तथा आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को प्रकट कर सकें।
- बच्चे जब अपने विचारों को प्रकट करेंगे तो उन्हें नए-नए शब्दों की जानकारी होगी तथा उनका शब्द-भंडार भी बढ़ेगा।
- बच्चे और खेल दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए पुस्तक के बीच-बीच में बच्चों को आकर्षित करने के लिए खेल तथा खेल से संबंधित गतिविधियाँ भी दी गई हैं।
- हमारी संस्कृति, कलाओं तथा लोक-कलाओं से भरपूर है। बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने के लिए पुस्तक में उन्हें यथा स्थान दिया गया है।
- पुस्तक का निर्माण सी०बी०एस०ई० समेत विभिन्न राज्यों के शिक्षा बोर्ड्स के पाठ्यक्रम को ध्यान रखते हुए किया गया है।
- पाठ्यक्रम को तैयार करते समय अहिंदी भाषी क्षेत्रों के छात्रों का विशेष ध्यान रखा गया है।

शिक्षाविदों एवं अभिभावकों के ऐसे सुझावों का हम स्वागत करेंगे, जिससे पुस्तक के आवश्यक संशोधन में सहायता ली जा सके।

–लेखिकाएँ

विषय-सूची

- हमें पहचानो.....06
- त्योहार और आहार.....06
- वेशभूषा/दर्शनीय स्थल.....07
- पढ़िए और भरिए (क्रिया-कलाप).....08

1. एक दुनिया रचें (कविता).....09
2. अहिंसा के दूत.....14
3. हंस और कछुआ.....21
4. तितली की सीख (कविता).....29
5. ओणम.....34
6. बलवान कौन?.....42
   - नीति सागर (अतिरिक्त पठन).....50
7. सदा मित्र की मदद करो.....51
8. सबसे अच्छा कौन?.....58
   - इनसाफ़ की डगर पे (अतिरिक्त पठन).....65
9. देश-प्रेम.....66
10. आगे बढ़ना सीखो (कविता).....72

11. सबक 77

- मेरा पन्ना (गतिविधि-1) 84
- सावधान हो सावधान! (अतिरिक्त पठन) 85

12. गांधी बन जाऊँगा (कविता) 87

13. शरारती मेहुल 92

14. बगीचे का घोंघा 101

- तमिल के संत कवि-तिरुवल्लुवर (अतिरिक्त पठन) 107
- मेरा पन्ना (गतिविधि-2) 108
- ये भी जानें 109
- परियोजना पन्ना-1 (कविता लेखन) 111
- परियोजना पन्ना-2 (तितली का जीवन चक्र) 112
- परियोजना पन्ना-3 (शब्द-ज्ञान) 113
- परियोजना पन्ना-4 (वाक्य रचना) 114
- परियोजना पन्ना-5 (सूची निर्माण) 115
- सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes) ---------- 116

हमें पहचानो

दीपावली

मिठाइयाँ

होली

गुझिया

गणेश चतुर्थी

मोदक

नवरात्र

हलवा-पूड़ी

अध्यापन-संकेत–छात्रों को विभिन्न त्योहारों और उन पर बनने वाले पकवानों से परिचित करवाएँ।

वेशभूषा

आसामी

बंगाली

कश्मीरी

राजस्थानी

दर्शनीय स्थल

सेंट्रल स्टेशन (चेन्नई)

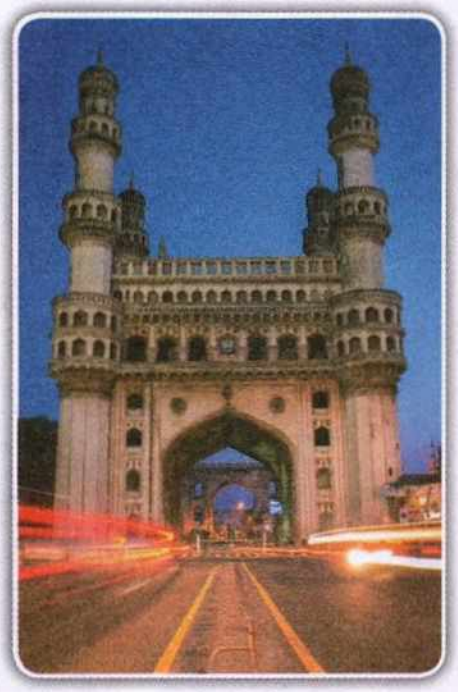

चारमीनार (हैदराबाद)

नंदी चामुंडी हिल (मैसूर)

गोलगुंबज (बीजापुर)

नीलगिरी (ऊटी)

अध्यापन-संकेत–विभिन्न राज्यों की वेशभूषा तथा दर्शनीय स्थलों की चर्चा वर्ग में करें।

क्रिया-कलाप

पढ़िए और भरिए

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

	आ			उ		ऋ
ए		ओ			अः	

क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध

क				
			झ	
	ठ			
		द		
				म
य				
			ह	

अं

अः

क्ष त्र ज्ञ श्र

	त्र		

न प फ ब भ म य र ल व श ष स ह

1 एक दुनिया रचें

चिंतन-मनन

यह दुनिया बहुत बड़ी है। यहाँ विभिन्न तरह के लोग रहते हैं। हमें सबके साथ मिलजुलकर रहना चाहिए। दुनिया में हमें प्रेम और एकता का संदेश देना चाहिए।

एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।
जिसमें खुशियाँ ही खुशियाँ हो संसार की।
एक धरती ने हमको दिया है जनम,
एक धरती के बेटे हैं हम, मान लें।
अजनबी हों भले हाथ अपने मगर,
गरमियाँ एक-दूजे की पहचान लें।
तोड़ डालें ये दीवारें बेकार की,
धूप गोरी है क्यों, रात काली है क्यों,
इन सवालों का कुछ आज मतलब नहीं।

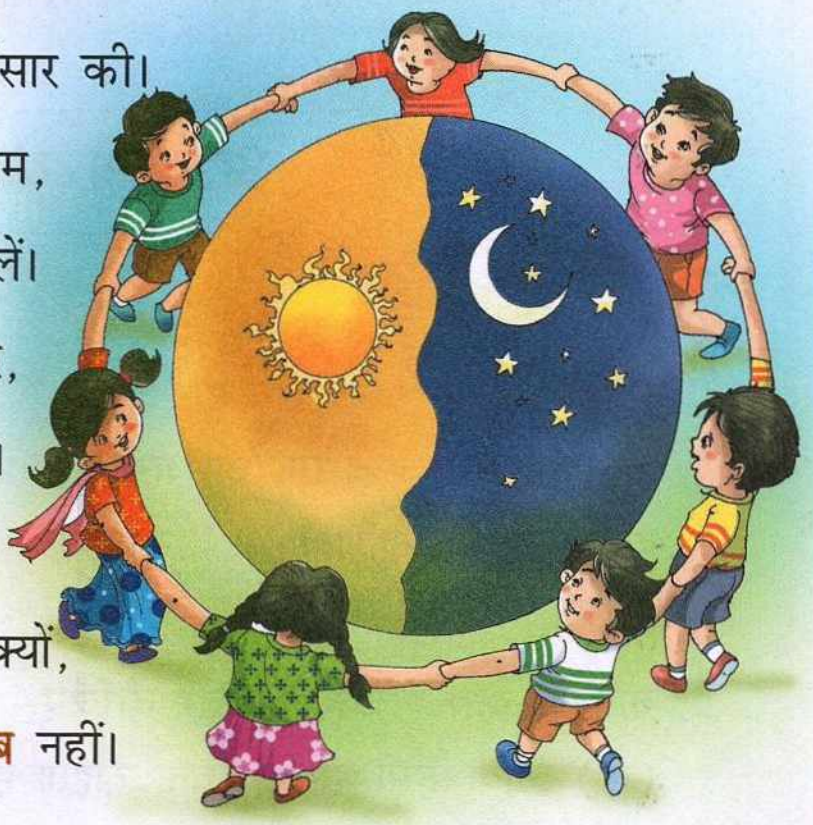

शब्दार्थ–**दुनिया**–संसार (world), **अजनबी**–जिन्हें हम जानते-पहचानते नहीं हैं (stranger), **बेकार**–व्यर्थ (waste), **मतलब**–अर्थ (meaning)

बाँट दें जो बिना बात इनसान को,

उन खयालों का कुछ आज मतलब नहीं।

जोड़कर हर कड़ी टूटते तार की,

एक दुनिया रचें आओ हम प्यार की।

–रमेश तैलंग

शब्दार्थ–खयाल–विचार (thought), **कड़ी**– शृंखला (chain), **रचें**–बनाएँ (creation)

जीवन-सूत्र

- एकता, प्रेम और भाई-चारा ही संसार की प्रगति का मूल मंत्र है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

दुनिया	खुशियाँ	अजनबी	गरमियाँ
इनसान	दीवारें	बेकार	

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) कवि कैसी दुनिया रचना चाहता है?

(ख) हमें कैसी दीवारें तोड़ डालनी चाहिए?

(ग) इस कविता के द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

लिखित

1. सही विकल्प पर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) हमें प्यार की कैसी दुनिया रचनी चाहिए?

जिसमें संसार की सारी खुशियाँ हों। ☐

जिसमें नफ़रत ही नफ़रत हो। ☐

जिसमें दुख ही दुख हो। ☐

(ख) हमें किन खयालों से कोई मतलब नहीं होना चाहिए?

जो इनसानों को आपस में मिलाकर रखे। ☐

जो इनसानों को बिना बात बाँट दें। ☐

जो इनसानों को मिलजुलकर रहना सिखाएँ। ☐

2. रिक्त स्थान भरिए–

धूप ..... है क्यों, रात ..... है क्यों,

इन ..... का कुछ आज ..... नहीं।

बाँट दें, जो बिना बात ..... को,

उन ..... का कुछ आज मतलब नहीं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अजनबी होते हुए भी हमें क्या पहचानना चाहिए?

(ख) आज के समय में किन सवालों का कोई मतलब नहीं है?

(ग) टूटते तार की कड़ी जोड़कर हमें कैसी दुनिया रचनी चाहिए?

(घ) आपको इस कविता से क्या सीख मिली?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) सारे संसार में खुशियाँ कैसे फैलाई जा सकती हैं?

(ख) वे कौन-कौन से कारण हैं, जो इनसान को बाँटते हैं? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

(क) द् + उ + न् + इ + य् + आ = ...

(ख) ध् + अ + र् + अ + त् + ई = ...

(ग) ब् + ए + क् + आ + र् + अ = ...

(घ) म् + अ + त् + अ + ल् + अ + ब् + अ = ...

2. समान तुक वाले शब्द लिखिए–

(क) हाथ – .....साथ..... (ख) तोड़ – .....

(ग) धूप – ..... (घ) मगर – .....

(ङ) बात – ..... (च) काली – .....

3. दिए गए शब्दों के लिए विलोम (उलटे) शब्द लिखिए–

(क) गरमी – .....सरदी..... (ख) धरती – .....

(ग) खुशी – ..... (घ) आज – .....

(ङ) गोरी – ..... (च) धूप – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. क्या हमें आपस में किसी तरह का भेदभाव रखना चाहिए? इस विषय पर कक्षा में बातचीत कीजिए।
2. 'एक धरती ने हमको दिया है जनम' पंक्ति से आप क्या समझते हैं?

क्रियाकलाप

1. पशु-पक्षियों का आपसी व्यवहार देखिए। गौर कीजिए कि क्या वे एक-दूसरे से भेदभाव करते हैं?
2. 'एकता' विषय पर भित्ति फीतिकाएँ बनाइए–

उदाहरण–अनेकता में एकता

हिंद की विशेषता

2 अहिंसा के दूत

चिंतन-मनन

नम्रता की चरम सीमा का नाम ही अहिंसा है। यह भाव हमें संसार के सभी प्राणियों से प्रेम करने की प्रेरणा देता है।

बचपन से ही मोहनदास गांधी जी को पेड़ों पर चढ़ने का शौक था। पिता जी मना करते थे। उन्हें डर लगता था कि कहीं मोहन को पेड़ से गिरकर चोट न लग जाए। पिता जी के बार-बार मना करने पर भी, बालक मोहन उनकी नज़र बचाकर पेड़ों की टहनियों पर उछल-कूद किए बिना न रहते थे।

एक दिन लुक-छिपकर मोहन पेड़ पर चढ़ गए। उनके बड़े भाई ने कमरे की खिड़की से उन्हें पेड़ पर

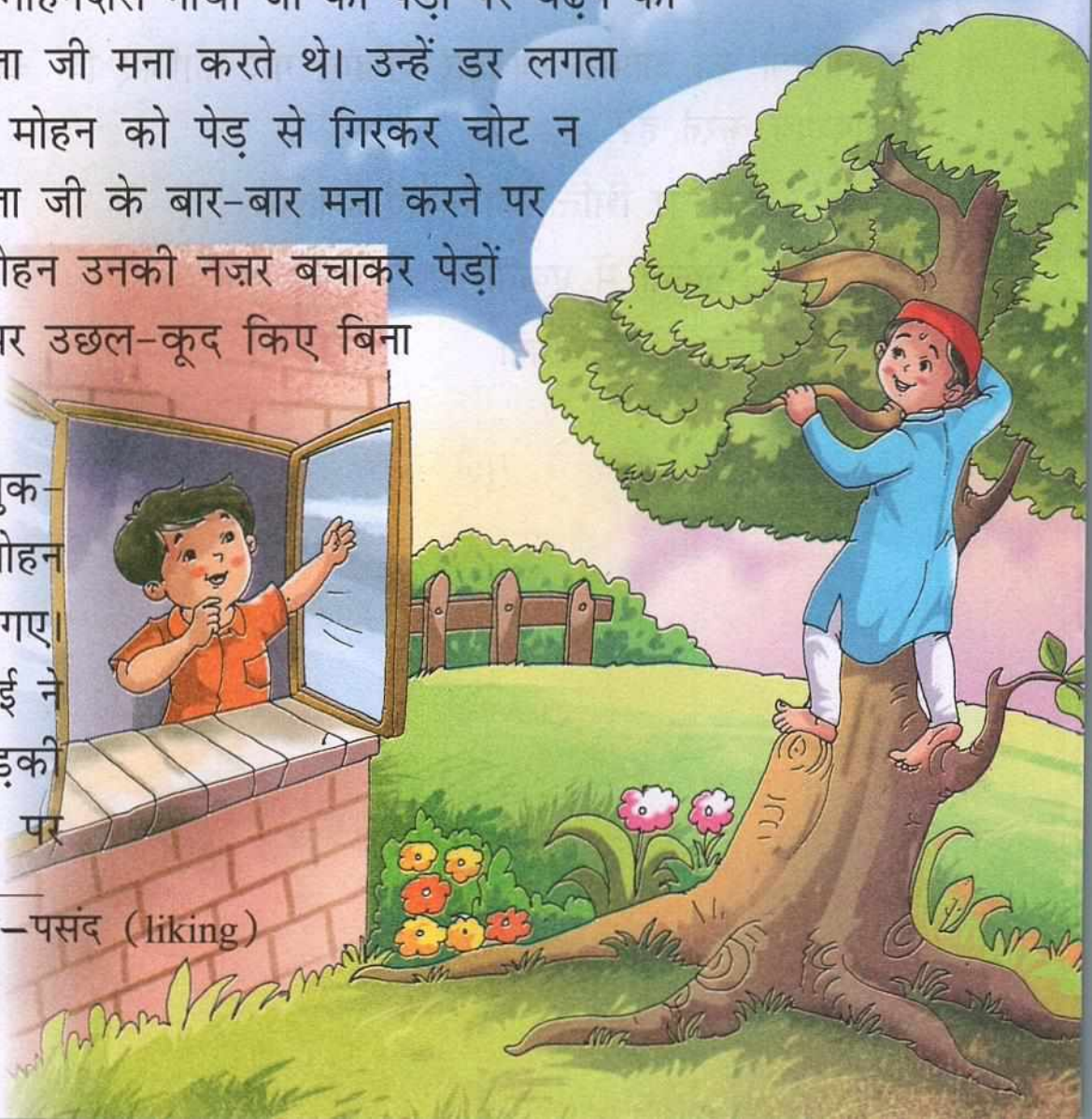

शब्दार्थ–शौक–पसंद (liking)

चढ़ते देख लिया। पेड़ पर चढ़ते मोहन की टाँग खींचकर भाई ने मोहन को ज़मीन पर गिरा दिया। अधिक चोट तो नहीं लगी पर कुछ खरोंचे उनके शरीर पर अवश्य आ गईं। मोहन उठकर जैसे ही खड़े हुए, बड़े भाई ने उनके मुँह पर तमाचा मारते हुए कहा–"क्यों रे, मोहन! कितनी बार कहा है कि पेड़ पर नहीं चढ़ना।"

मोहन ने रोते हुए माँ से कहा–"देखो माँ, बड़े भाई ने हमें मारा है।"

माँ ने पूछा–"तुमने कोई शरारत की होगी?"

मोहन ने कहा–"शरारत नहीं की, बस पेड़ पर चढ़कर हवा का आनंद ले रहा था।"

माँ ने कहा–"तुम्हारा मतलब है भाई ने तुम्हें बेवजह मारा है। तुम भी जाकर उसे मारो।"

यह सुनकर मोहन उदास हो गया और कहा–"माँ, वे मुझसे बड़े हैं। आप मुझे बड़ों को मारना क्यों सिखाती हो?"

माँ ने कहा–"बेटा, भाइयों में तो ऐसी नोक-झोंक होती ही रहती है।"

"नहीं माँ, मैं भैया के तमाचे का जवाब तमाचे से नहीं दे सकता। आप मारने वाले को नहीं रोकती, मुझे मारना सिखाती हो।"

माँ ने बालक गांधी को गोद में भरकर कहा–"तुम्हें ऐसे जवाब कहाँ से सूझते हैं, रे मोहन?"

शब्दार्थ–खरोंचे–निशान (scratch), **तमाचा**–थप्पड़ (slap), **बेवजह**–बिना कारण (without reason), **नोक-झोंक**–वह लड़ाई जहाँ एक-दूसरे को चुभने वाली बात की जाए (rattling/to bicker)

गांधी जी के बचपन की यह घटना हमें सिखाती है कि हिंसा का बदला, हिंसा से नहीं बल्कि अहिंसा से भी लिया जा सकता है। गांधी जी मन, वचन और कर्म से जीवन भर इसी सिद्धांत का पालन करते रहे। भारत के इतिहास में उन्हें 'अहिंसा के पुजारी' या 'अहिंसा के अवतार' नाम से याद किया जाता है।

जीवन-सूत्र

- मनुष्य क्रोध को प्रेम से, पाप को सदाचार से, लाभ को दान से और मिथ्या भाषण को सत्य से जीत सकेगा।

–गौतम बुद्ध

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

अहिंसा	शौक	ऊँचाई	ज़मीन
खरोंच	शरारत	आनंद	सिद्धांत

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) गांधी जी का पूरा नाम बताइए।

(ख) गांधी जी के पिता जी किस कार्य को करने से मना करते थे?

(ग) बड़े भाई ने क्या देखा?

(घ) पेड़ पर चढ़कर मोहन क्या कर रहे थे?

लिखित

1. किसने कहा? किससे कहा?

(क) "कितनी बार कहा कि पेड़ पर नहीं चढ़ना।" ....

(ख) "देखो माँ, बड़े भाई ने हमें मारा है?" ....

(ग) "तुमने कोई शरारत की होगी?" ....

(घ) "तुम्हें ऐसे जवाब कहाँ से सूझते हैं?" ....

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

लुक-छिपकर, शरारत, शौक, अहिंसा, पेड़

(क) गांधी जी को पेड़ों पर चढ़ने का ..... था।

(ख) एक दिन ..... मोहन पेड़ पर चढ़ गए।

(ग) कितनी बार कहा है कि ..... पर नहीं चढ़ना।

(घ) माँ ने पूछा–"तुमने कोई ..... की होगी?

(ङ) हिंसा का बदला, हिंसा से नहीं बल्कि ..... से भी लिया जा सकता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मोहनदास गांधी को पेड़ों पर चढ़ने का शौक कब था?

(ख) पिता जी को किस बात का डर था?

(ग) बड़े भाई ने क्या किया?

(घ) मोहन उदास क्यों हो गए?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) मोहन ने तमाचे का जवाब तमाचे से क्यों नहीं दिया?

(ख) जब आपको कोई मारता है तो आप क्या करते हैं? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

(क) गिर + कर = ····गिरकर···· (ख) खींच + कर = ·····

(ग) बचा + कर = ····· (घ) चढ़ + कर = ·····

(ङ) छिप + कर = ····· (च) सुन + कर = ·····

2. सही स्थान पर चंद्रबिंदु (ँ) और बिंदी (ं) लगाकर लिखिए–

(क) उचाई – ····· (ख) गाधी – ·····

(ग) कहा – ····· (घ) अहिसा – ·····

(ङ) मुह – ····· (ङ) सिद्धात – ·····

3. पढ़िए और समझिए–

'की' और 'कि' में अकसर गलती हो जाती है। आइए, इसे समझते हैं–

नाम के बाद 'की' (जैसे–मोहन की पुस्तक, उसकी गेंद, भैया की बॉल)

काम के बाद 'कि' (जैसे–कहा कि, बताया कि)

पाठ के इन वाक्यों में उचित जगह पर 'की' और 'कि' का प्रयोग कीजिए–

गांधी जी के बचपन ····· यह घटना हमें सिखाती है ····· हिंसा का बदला हिंसा से नहीं बल्कि अहिंसा से भी लिया जा सकता है।

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. गांधी जी के बचपन की घटना से आपने क्या सीखा?
2. बच्चों को कौन-कौन-से कार्य करने चाहिए और कौन-से नहीं? बताइए और सही (✓) गलत (✗) का निशान लगाइए–

क्रियाकलाप

1. आपके साथ कभी ऐसा हुआ है जब आपने अपने माता-पिता की बात नहीं मानी और आप मुसीबत में पड़ गए। वर्ग में आप अपनी-अपनी मुसीबत की चर्चा करें। कक्षा में बताएँ कि आपने उससे क्या सीख ग्रहण की और स्वयं में क्या सुधार किया?
2. आप अपने दादा-दादी, नाना-नानी, माता-पिता एवं मित्र के बारे में बताइए, जिससे आप बहुत प्रभावित हुए हों और जिससे आपने कोई बहुत महत्वपूर्ण सीख ली हो? आप किसी आदर्श व्यक्ति के बारे में भी बता सकते हैं।

   दिए गए स्थान पर उनकी तसवीर (फ़ोटो) लगाइए और लिखिए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3 हंस और कछुआ

चिंतन-मनन

मुसीबत में मौन रहना ही श्रेष्ठ है।

मगध देश में फुल्लोत्मल नामक में संकट और विकट नाम के दो रहते थे। उसका एक मित्र भी वहाँ रहता था। उस तालाब में बहुत सारी भी रहती थीं।

एक बार कुछ वहाँ से गुज़र रहे थे। उनकी निगाह में तैर रही पर पड़ी। ने आपस में विचार करके

शब्दार्थ–**निगाह**–नज़र, दृष्टि (eyesight)

तय किया कि वे अगले दिन आकर की और को पकड़ेंगे।

संकट और विकट ने को आपस में बात करते सुन लिया था, इसलिए उन्होंने यह बात और को बता दी। यह सुनकर घबरा गया। वह अपने बचाव का उपाय सोचने लगा। उसे लगा कि उसे यह शीघ्र ही छोड़ देना चाहिए। उसने से निवेदन किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ, लेकिन को वहाँ से कहीं और कैसे ले जाते? को तो उड़ना ही नहीं आता था। बहुत सोच-विचारकर उन्होंने एक योजना

शब्दार्थ–तय किया–निर्णय करना (decide), **उपाय**–तरीका (way out), **शीघ्र**–जल्दी (fast), **निवेदन**–प्रार्थना (request)

बनाई। ने से कहा कि वे एक लेकर

उसके दोनों सिरों को अपनी-अपनी में दबा लेंगे और कछुआ

उस लकड़ी को अपने से बीच में से पकड़ लेगा।

ने की योजना मान ली। ने उसे बोलने से मना कर

दिया था। वे तीनों उड़ चले। जब वे एक के ऊपर से उड़ रहे

थे, तो नीचे कुछ बच्चे उड़ा रहे थे। सभी ऊपर

का दृश्य देखकर चकित रह गए। गाँव में खूब शोर मच गया।

उनके पीछे-पीछे भागने लगे और आपस में बात करने लगे।

एक बोला–"देखो! कैसा अद्‌भुत दृश्य है।"

शब्दार्थ–सिरों–किनारे (ends), **अद्‌भुत**–अनोखा (unique)

दूसरा बोला–"अगर यह गिर पड़े, तो मैं इसे अपने घर में ले जाकर पालूँगा।"

तीसरा बोला–"नहीं, मैं तो इसे पकड़ लूँगा और कहीं जाने नहीं दूँगा।"

सबकी बात सुनकर बेचैन हो रहा था। उसे की बातें सुनकर गुस्सा भी आ रहा था। उससे बोले बिना रहा नहीं गया। वह अपना संयम खो बैठा और गुस्से में आकर बोला–"तुम क्या खाक पकड़ोगे मुझे!" इतना कहना था कि वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मर गया।

शब्दार्थ–संयम–धीरज, धैर्य (self control)

जीवन-सूत्र

- संकट के समय में धैर्य रखिए। अन्य लोग क्या कहते हैं, उस पर ध्यान न दीजिए।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

योजना पतंग शीघ्र अद्‌भुत दृश्य बेचैन

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) दोनों हंसों के क्या नाम था?

(ख) तालाब में कौन रहती थीं?

(ग) मछुआरों ने आपस में क्या विचार किया?

(घ) कछुआ क्यों घबराया?

लिखित

1. सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए–

(क) मछुआरों ने तय किया कि वे अगले दिन आकर तालाब की मछलियों और कछुए को पकड़ेंगे। ☐

(ख) कछुए ने बच्चों से निवेदन किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ। ☐

(ग) कछुए को उड़ना आता था। ☐

(घ) हंस और कछुआ गाँव के ऊपर से उड़ रहे थे। ☐

(ङ) बच्चों की बातें सुनकर कछुए को गुस्सा आ गया। ☐

2. सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(क) संकट और विकट नाम के दो ..... थे।

(*i*) तोते (*ii*) कछुए (*iii*) कौए (*iv*) हंस

(ख) एक बार कुछ ..... वहाँ से गुज़र रहे थे।

(*i*) धोबी (*ii*) मछुआरे (*iii*) लोग (*iv*) जानवर

(ग) ..... ने हंसों की योजना मान ली।

(*i*) मछली (*ii*) मछुआरे (*iii*) कछुए (*iv*) लोगों

(घ) कछुए को ..... की बातें सुनकर गुस्सा आ गया।

(*i*) बच्चों (*ii*) लोगों (*iii*) हंसों (*iv*) मछुआरे

3. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

से, ने, की, को, के, में

(क) तालाब ..... बहुत सारी मछलियाँ भी रहती थीं।

(ख) संकट और विकट ..... मछुआरों ..... आपस में बात करते हुए सुन लिया था।

(ग) कछुए ने हंसों ..... निवेदन किया कि वे उसे वहाँ से ले जाएँ।

(घ) वे गाँव ..... ऊपर से उड़ रहे थे।

(ङ) कछुए को बच्चों ..... बातें सुनकर गुस्सा आ रहा था।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) हंसों ने मछुआरों को क्या कहते हुए सुना था?

(ख) कछुआ हंसों से क्या बोला?

(ग) हंस कछुए को कैसे उड़ाकर ले गए?

(घ) कछुए को किस पर गुस्सा आ रहा था?

(ङ) अंत में कछुए का क्या हश्र हुआ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) संयम न रखने से क्या नुकसान हो सकता है? पाठ के आधार पर लिखिए।

(ख) हमें हमेशा सोच-समझकर बोलना चाहिए, क्या आप इस बात से सहमत हैं?

(मूल्यपरक प्रश्न)

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

संकट, वहाँ, मछलियाँ, कहीं, जाएँ, हंस, मुँह, पतंग, गाँव, मैं

अनुस्वार (ं)	अनुनासिक (ँ)
.....संकट.....	.....वहाँ.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. निम्नलिखित वाक्यों में रंगीन शब्दों के उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए–

(क) उनका एक मित्र वहाँ रहता था। .....

(ख) वे तीनों झोपड़ी के ऊपर उड़ रहे थे। .....

(ग) वह ज़मीन पर गिर पड़ा और मर गया। .....

(घ) बच्चे उनके पीछे-पीछे भागने लगे। .....

3. वाक्यों में सही विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए–

(क) देखो कैसा अद्‌भुत दृश्य है

(ख) वह अपने बचाव का उपाय सोचने लगा

(ग) आज पाठशाला कॉलेज बाज़ार बंद हैं

(घ) हंस और कछुआ कहाँ उड़ रहे थे

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- अगर आप कछुए की जगह होते, तो क्या करते? चर्चा कीजिए।

क्रियाकलाप

- बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और रंग भरिए–

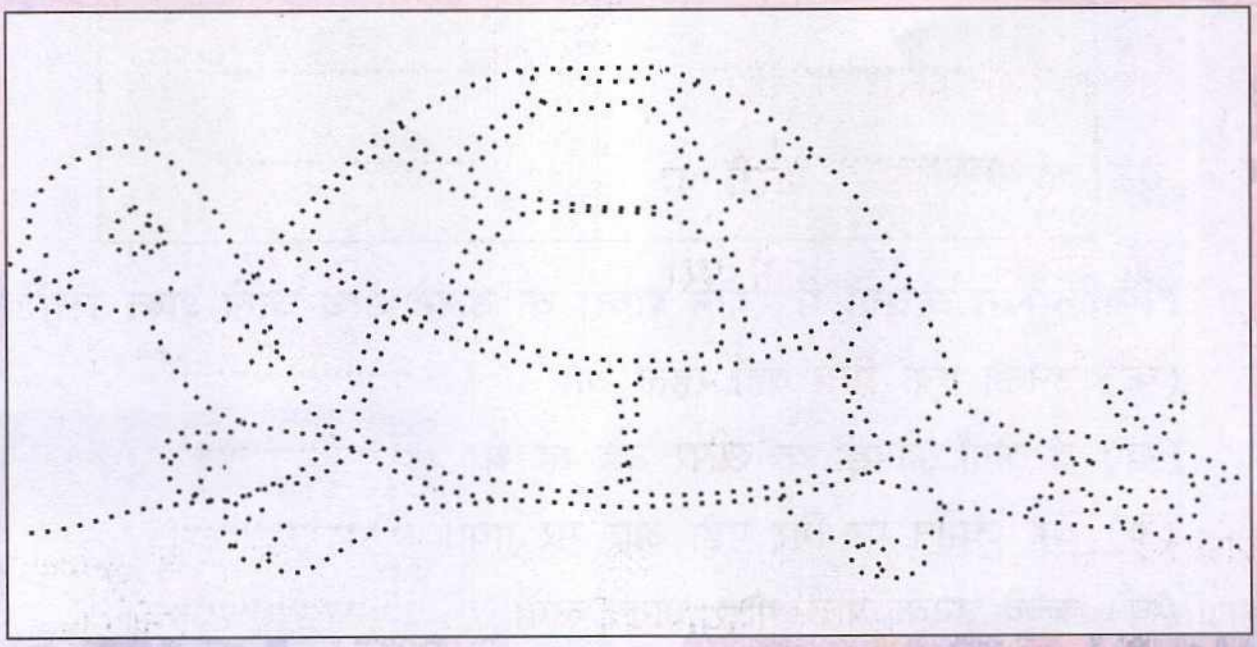

4 तितली की सीख

चिंतन-मनन

मनुष्य को आलस का त्याग कर अपना कार्य ईमानदारी से करना चाहिए। आलस करने से दिन का उपयोगी समय बेकार चला जाता है।

संग हवा के उड़ी चली,
रंग-बिरंगी इक तितली।
पर थे उसके बड़े सजीले,
लाल, हरे और नीले-पीले।
नन्ही-प्यारी वह तितली,
उड़कर बगिया में पहुँची।
बैठ गई वह किसी कली पर,
जो थी लगी एक डाली पर।
ज्योंहि रस पीने को चली,
बोल पड़ी वह नन्ही कली।

शब्दार्थ–**संग**–साथ (together), **इक**–एक (one), **पर**–पंख (feather), **सजीले**–सुंदर (beautiful), **बगिया**–बगीचा (garden), **डाली**–टहनी (branch), **ज्योंहि**–जैसे ही (as soon as)

"खिले फूल पर जाओ तुम,
मुझे न अभी सताओ तुम।
मुझको अभी बहुत है सोना,
ढूँढ़ो कोई खिली कली।"

तितली बोली–"आलस छोड़ो,
बंद पँखुड़ी अपनी खोलो।
देखो दुनिया कितनी सुंदर,
रंग-बिरंगी, चमकीली।"
लो मैं तुमसे दूर चली,
रंग-बिरंगी इक तितली।

शब्दार्थ–आलस–आलस्य (laziness)

जीवन-सूत्र

- जो लोग आलस्य या प्रमाद में समय को नष्ट करते हैं, समय उन्हें नष्ट कर देता है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

रंग-बिरंगी	तितली	नन्ही	प्यारी
बगिया	पँखुड़ी	चमकीली	सुंदर

2. कविता याद कर कक्षा में सुनाइए।

लिखित

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

(क) संग हवा के ……,
रंग-बिरंगी …… ।

(ख) तितली बोली– ……,
बंद …… ।

(ग) देखो दुनिया ……,
…… चमकीली।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) तितली किसके साथ उड़ चली?

(ख) तितली के पंख कैसे थे?

(ग) तितली कहाँ जा बैठी?

(घ) तितली ने कली से क्या छोड़ने के लिए कहा?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'आलसी बच्चे परीक्षा में कुछ नहीं कर पाते'–क्या आप इस विचार से सहमत हैं? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(ख) आलस छोड़ने से बच्चे क्या-क्या कर पाते हैं? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

(क) न् + ही = न्ही – नन्ही (ख) प् + य = प्य – प्यारी

(ग) ज् + य = ज्य – ज्योंहि (घ) स् + य = स्य – आलस्य

2. निम्नलिखित शब्दों को सही जगह पर लिखिए–

तितली, कलियाँ, पँखुड़ी, डालियाँ, एक, क्यारियाँ

एकवचन	बहुवचन
.....	.....
.....	.....
.....	.....

3. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए–

(क) पर – ..... (ख) फूल – .....

(ग) हवा – ..... (घ) दुनिया – .....

(ङ) बगिया – ..... (च) आलस – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. तितली किस-किस रंग की होती है? रंगों के नाम लिखिए–

....

....

2. अगर आप तितली होते, तो क्या करते? चर्चा कीजिए।

क्रियाकलाप

- नीचे दिए गए चित्र में बहुत सारी तितलियाँ हैं। गिनकर उनकी संख्या लिखिए–

तितलियों की संख्या ..... है।

5 ओणम

चिंतन-मनन

त्योहार जीवन में हर्षोल्लास के रंग भरते हैं। उसे आनंदपूर्ण और सरस बनाते हैं। अनेकता में एकता के प्रतीक भारतीय पर्व सभी को खुशियों से भर देते हैं। ओणम केरल राज्य का एक ऐसा ही पर्व है।

भारत त्योहारों का देश है और यहाँ हर त्योहार की अपनी अलग पहचान है। कुछ पर्व पूरे भारतवर्ष में मनाए जाते हैं, तो कुछ राज्यों के अनुसार। जिस प्रकार कर्नाटक का दशहरा, महाराष्ट्र का गणेशोत्सव, गुजरात का नवरात्र प्रसिद्ध है, उसी प्रकार केरल राज्य का ओणम प्रसिद्ध है।

ओणम मनाने के पीछे एक पौराणिक कथा है। माना जाता है कि केरल राज्य में महाबलि नामक राजा थे। वह एक अच्छे राजा व शासक थे। वह अपनी दानशीलता के लिए प्रसिद्ध थे। अपनी ख्याति देखकर राजा बलि को अपने आप पर घमंड होने लगा। इंद्र देवता को राजा बलि का प्रभुत्व देखकर चिंता होने लगी, तब उन्होंने भगवान विष्णु की सहायता ली। भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण करके बलि से दान में तीन पग भूमि माँगी। पहले पग में उन्होंने पृथ्वी और दूसरे में आकाश नाप लिया। तीसरा पग

महाबलि के सिर पर रख उसे पाताल भेजा। कहते हैं कि साल में एक दिन राजा महाबलि अपनी प्रजा से मिलने आते हैं और अपने राज्य की खुशहाली देखकर संतुष्ट होते हैं। यही दिन 'ओणम' का दिन है, जो 'फ़सल पर्व' के रूप में मनाया जाता है।

दस दिनों तक चलने वाला यह पर्व धर्म, जातिगत मान्यताओं तथा अमूल्य ऐतिहासिक विरासतों से जुड़ा पर्व है। इसमें केरल की सांस्कृतिक छाप देखने को मिलती है। इस दिन यानी 'तिरू ओणम' (प्रथम दिवस) पर महिलाएँ नए वस्त्र पहनती हैं। आमतौर पर इनके वस्त्र खादी से बने होते हैं, जिन्हें 'मुंडु' कहा जाता है। घर की बुज़ुर्ग महिला छोटों को उपहार देती हैं। आँगन में विशेष प्रकार के फूलों से सजी रंगोली बनाई जाती है। बीच में पीतल या काँसे का दीपक रखा जाता है, उसे 'कुलवेलक' कहा जाता है। भगवान को चावल, गुड़, घी तथा दूध से बनी खीर का भोग चढ़ाया जाता है। शाम के समय रंगोली के चारों ओर गोल घेरा बनाकर नृत्य किया जाता है। चावल, केले से बने विविध व्यंजन और मिष्ठान त्योहार के आनंद को दुगना करते हैं।

शब्दार्थ–**ऐतिहासिक**–इतिहास से संबंधित (historical), **मिष्ठान**–मिठाइयाँ (sweets), **आनंद**–खुशी (happiness)

ओणम के अवसर पर नौका दौड़ का आयोजन किया जाता है। इसे 'वल्लमकली' कहते हैं। यह नौका मामूली नहीं होती। यह 100 फुट लंबी होती है और इसे 150 चालक चलाते हैं। ओणम का अवसर शाही हाथियों के भव्य समारोह के कारण ऐतिहासिक महत्व रखता है। अमीर-गरीब का भेदभाव भूलकर मनाया जाने वाला ओणम पर्व आनंद और उल्लास का पर्व है।

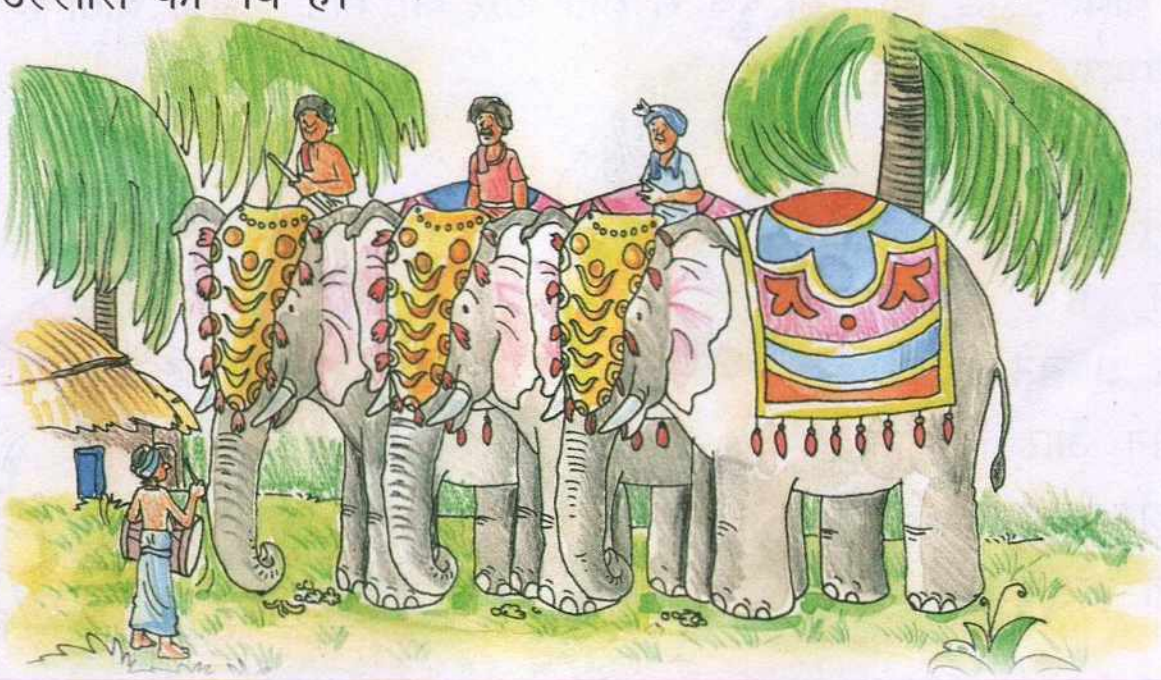

जीवन-सूत्र

- प्रत्येक त्योहार में अपनी विधि व परंपरा के साथ समाज व देश के लिए एक संदेश होता है। यह संदेश हमें एक सूत्र में बाँधे रखता है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

त्योहार	पौराणिक	घमंड	पृथ्वी
संतुष्ट	ऐतिहासिक	शासक	व्यंजन

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) मनुष्य को क्या प्रिय है?

(ख) केरल राज्य के राजा का नाम क्या था?

(ग) इंद्र देवता को चिंता क्यों होने लगी?

(घ) 'मुंडु' किसे कहा जाता है?

(ङ) भगवान को किसका भोग चढ़ाया जाता है?

लिखित

1. रिक्त स्थान भरिए–

(क) ..... का गणेशोत्सव प्रसिद्ध है।

(ख) महाबलि एक अच्छे ..... थे।

(ग) भगवान विष्णु ने ..... रूप धारण किया।

(घ) ओणम पर्व ..... दिनों तक चलता है।

(ङ) ओणम के दिन ..... वस्त्र पहने जाते हैं।

2. सही विकल्प चुनकर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) ओणम मनाने के पीछे कौन-सी कथा प्रचलित है?

(*i*) पौराणिक कथा ☐ (*ii*) ऐतिहासिक कथा ☐

(*iii*) सामाजिक कथा ☐ (*iv*) आधुनिक कथा ☐

(ख) राजा बलि क्या देखकर संतुष्ट होते हैं?

(*i*) वामन को देखकर ☐

(*ii*) पकवानों को देखकर ☐

(*iii*) राज्य की खुशहाली देखकर ☐

(*iv*) लोगों को देखकर ☐

(ग) ओणम के दिन क्या बनाई जाती है?

(*i*) दीपों की थाली ☐ (*ii*) मिठाइयों की थाली ☐

(*iii*) फूलों की रंगोली ☐ (*iv*) मोतियों की रंगोली ☐

3. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

(क) भारत त्योहारों का देश है। ☐

(ख) ओणम वर्षा ऋतु का पर्व है। ☐

(ग) बलि ने सुवर्ण दान दिया। ☐

(घ) हर त्योहार की अलग पहचान है। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) भारत कैसा देश है?

(ख) ओणम किस राज्य का पर्व है?

(ग) राजा बलि किसके लिए प्रसिद्ध थे?

(घ) इंद्र को किसकी सहायता मिली?

(ङ) ओणम पर्व का दूसरा नाम क्या है?

(च) नौका दौड़ को क्या कहते हैं?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) ओणम पर्व किस प्रकार मनाया जाता है?

(ख) 'त्योहारों' पर परिवार के साथ अनाथालयों में जाकर पर्व मनाने पर जो आनंद मिलता है, उस आनंद को एक या दो वाक्यों में लिखिए।

(मूल्यपरक प्रश्न)

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

दानशील + ता =	दानशीलता	प्रभु + त्व =	प्रभुत्व
सुंदर + ता =	.....	देव + त्व =	.....
मधुर + ता =	.....	पशु + त्व =	.....

2. (क) पाठ पढ़ाने वाला – अध्यापक

पाठ पढ़ाने वाली – अध्यापिका

(ख) कविता लिखने वाला – कवि

कविता लिखने वाली – कवयित्री

(ग) लेख लिखने वाला – .....

लेख लिखने वाली – .....

(घ) सेवा करने वाला – .....

सेवा करने वाली – .....

3. शब्दों को पढ़कर वर्णों के मात्रा चिह्न लगाकर लिखिए–

(क) भरत त्योहारों का दश है।

.....

(ख) करल राज्य म महाबलि नमक रजा था।

.....

(ग) विष्णु न वमन रूप धरण कया।

.....

(घ) यह परपरा आादकल से है।

.....

4. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए–

दिन – दिवस वस्त्र – .....

दीपक – ..... खुश – .....

महिला – ..... पृथ्वी – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. त्योहार जीवन में क्यों आवश्यक हैं?
2. आप अपने पसंदीदा त्योहार के बारे में बताइए। इस त्योहार पर आप क्या-क्या करते हैं? यह आपको क्यों पसंद हैं?

क्रियाकलाप

- एक सुंदर 'रंगोली' का चित्र बनाइए तथा रंग भरिए–

6 बलवान कौन?

चिंतन-मनन

अपने शरीर और आकार से कोई भी बलवान नहीं होता है। अधिक बलवान वही होते हैं, जिनके पास बुद्धि-बल होता है।

संसार में हर बड़े आकार का प्राणी अपने आपको बलवान समझता है। हम बच्चे भी आकार में बड़े प्राणियों को अधिक बलवान समझते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होता। अरे! आप सोच में पड़ गए न। चलो, आपको एक कहानी सुनाते हैं, आप स्वयं ही जान जाएँगे।

एक बार एक हाथी मस्त होकर अपने शरीर को एक पेड़ के तने

शब्दार्थ–**आकार**–आकृति (shape), **प्राणी**–जीव (living beings), **बलवान**–ताकतवाला (powerfull), **मस्त होकर**–खुश होकर घूमना (revel)

से रगड़ने लगा। उस पेड़ के ऊपर चिड़िया का घोंसला था। उस घोंसले में चिड़िया के दो अंडे भी रखे हुए थे।

चिड़िया ने हाथी को बहुत समझाया कि वह ऐसा न करे। ऐसा करने से उसके अंडे गिरकर टूट जाएँगे। मगर मस्त हाथी नहीं माना। उसने पेड़ को इतनी ज़ोर-से हिलाया कि चिड़िया का घोंसला गिर गया और अंडे टूट गए।

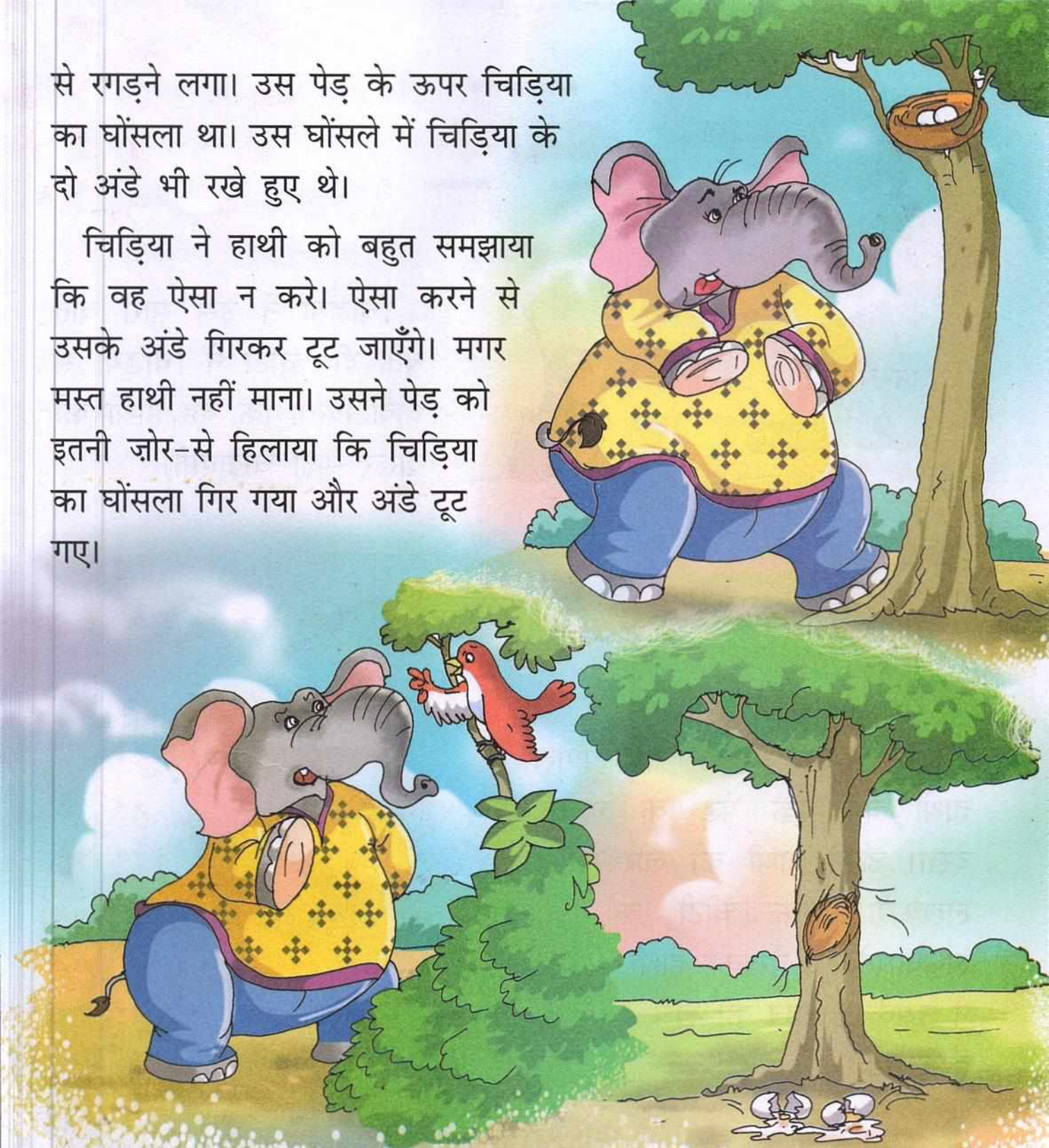

मायूस चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठकर रोने लगी। तभी वहाँ एक चींटी आई। उसने चिड़िया से उसके रोने का कारण पूछा।

शब्दार्थ–मायूस–निराश, उदास (disappointed)

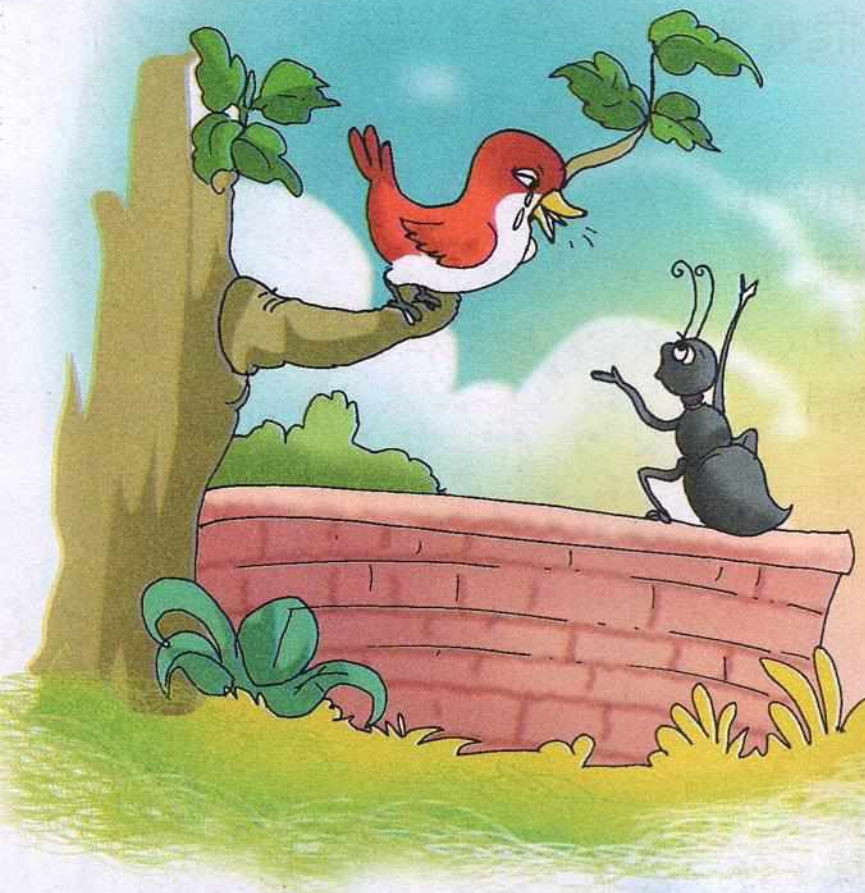

चिड़िया ने उसे सारी बात बता दी। चींटी ने चिड़िया से वादा किया कि वह हाथी को ज़रूर मज़ा चखाएगी।

चींटी ने उस अंहकारी तथा पागल हाथी को एक पेड़ के नीचे देखा। उसने हाथी को ज़ोर-से ललकारा। एक चींटी को ललकारते हुए देखकर हाथी ने उसके छोटेपन की खूब हँसी उड़ाई।

शब्दार्थ–अंहकारी–घमंडी (ego), **ललकार**–चुनौती (challenge)

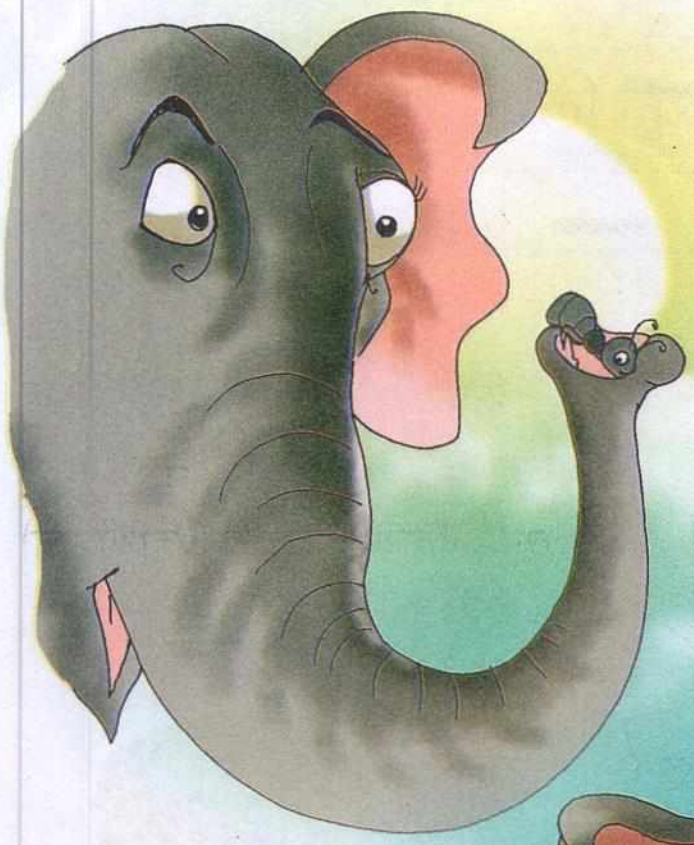

परंतु चींटी ने हाथी की परवाह न की। उसने उसकी सूँड़ में घुसकर उसे खूब ज़ोर-से काटा। हाथी बेचारा दर्द से तड़प उठा।

हाथी ने बार-बार अपनी सूँड़ घुमाकर चींटी को निकालने की कोशिश की, पर सफल नहीं हुआ। अंत में उसने हार मान ली।

इस तरह चींटी ने हाथी को सबक सिखाया। बच्चो, अब तो आप समझ ही गए होंगे, कि सिर्फ़ **विशाल** आकार होने से ही प्राणी बलवान नहीं होता है।

शब्दार्थ–**विशाल**–बहुत बड़ा (behemoth)

जीवन-सूत्र

- सच्चा बलवान वही है जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर ली है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

प्राणी	बलवान	मस्त	चिड़िया	घोंसला
मायूस	चींटी	वादा	अहंकारी	

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

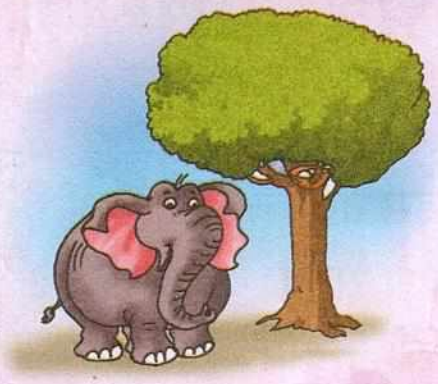

(क) पेड़ के ऊपर क्या था?

(ख) घोंसले में कितने अंडे रखे थे?

(ग) पेड़ को ज़ोर से हिलाने पर क्या हुआ?

(घ) चींटी ने चिड़िया से क्या वादा किया?

लिखित

1. सही वाक्य पर (✓) का और गलत वाक्य पर (✗) का निशान लगाइए–

(क) चिड़िया ने हाथी को बहुत समझाया। ☐

(ख) हाथी ने चींटी का मज़ाक उड़ाया। ☐

(ग) चिड़िया के अंडे टूटे नहीं थे। ☐

(घ) चींटी ने हाथी से बदला लिया। ☐

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

मायूस, घोंसला, बलवान, सबक

(क) संसार में हर बड़े आकार का प्राणी अपने आपको ..... समझता है।

(ख) पेड़ के ऊपर चिड़िया का ..... था।

(ग) ..... चिड़िया पेड़ की डाल पर बैठकर रोने लगी।

(घ) चींटी ने हाथी को ..... सिखाया।

3. जोड़े बनाइए–

(क) पेड़ के ऊपर	(*i*) रोने का कारण पूछा।
(ख) चींटी ने चिड़िया से	(*ii*) प्राणी बलवान नहीं होता है।
(ग) हाथी बेचारा दर्द से	(*iii*) चिड़िया का घोंसला था।
(घ) विशाल आकार होने से	(*iv*) तड़प उठा।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) हाथी अपने शरीर को किससे रगड़ रहा था?

(ख) घोंसले में क्या रखा था?

(ग) चिड़िया क्यों रोने लगी?

(घ) हाथी ने किसका मज़ाक उड़ाया?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) चींटी ने हाथी से कैसे बदला लिया?

(ख) इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

चींटी	–	चींटियाँ	अंडा	–	अंडे
लड़की	–	लड़कियाँ	घोंसला	–	घोंसले
तितली	–	तितलियाँ	बच्चा	–	बच्चे
चिड़िया	–	चिड़ियाँ	तना	–	तने

2. 'है' और 'हैं' का प्रयोग–

एकवचन के साथ 'है'–एक चींटी है।

बहुवचन के साथ 'हैं'–अनेक चींटियाँ हैं।

पाठ की इन पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए–

संसार में हर बड़े आकार का **प्राणी** अपने आपको बलवान समझता **है**।

हम बच्चे भी आकार में बड़े **प्राणियों** को अधिक बलवान समझते **हैं**।

प्राणी – है (एकवचन)

प्राणियों – हैं (बहुवचन)

इसी प्रकार रेखांकित शब्द का वचन परिवर्तन कर वाक्य दुबारा लिखिए–

(क) <u>चींटी</u> जाती है।

(ख) घोंसले में <u>अंडे</u> हैं।

3. पाठ में प्रयुक्त नुक्ते वाले शब्द पढ़िए और समझिए–

ज़ोर ज़रूर मज़ा सिर्फ़

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. 'बुद्धि और बल' इन दोनों में आप किसे ज़्यादा महत्व देते हैं?
2. यदि चींटी हाथी को सबक न सिखाती, तो हाथी क्या करता? सोचकर कक्षा में एक-दूसरे को बताइए।

क्रियाकलाप

1. नीचे कुछ पशु-पक्षियों के चित्र दिए गए हैं। उनके आकार को देखकर उन्हें क्रम से लगाइए–

....

2. इस कहानी को नाटक के रूप में लिखिए और कक्षा में उसका अभिनय कीजिए।

अतिरिक्त पठन

नीति सागर

1. तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।
   कहि रहीम पर काज हित, संपत्ति सँचहि सुजान।।

2. रहीमन देख बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
   जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि।।

–रहीम

1. जाति न पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान।
   मोल करो तरवार का, पड़ा रहन दो म्यान।।

2. जग में बैरी कोई नाहीं, जो मन सीतल होय।
   या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।

–कबीर

अध्यापन-संकेत–इस तरह के अन्य संत कवियों के दोहों का सस्वर वाचन कक्षा में कराएँ।

7 सदा मित्र की मदद करो

चिंतन-मनन

मित्र वही होता है, जो मुसीबत और ज़रूरत के समय हमारी मदद करे। मित्र वह है, जो हमें सत्य का मार्ग दिखाए, न कि वह जो हमारी हाँ में हाँ मिलाए।

मोहन बहुत **होशियार** और अमीर घर का लड़का था। वह शहर के अच्छे स्कूल में पढ़ता था। उसे अपनी अमीरी पर बहुत घमंड था, इसलिए वह किसी से भी अपनी चीज़ें बाँटना पसंद नहीं करता था।

एक दिन अध्यापिका एक नए छात्र सुनील को लेकर कक्षा में आईं। सुनील के पिता का **तबादला** इसी शहर में हुआ था।

शब्दार्थ–**होशियार**–अक्लमंद, बुद्धिमान (intelligent), **तबादला**–बदली, एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना (transfer)

अध्यापिका मोहन से उसकी मदद करने के लिए कहकर कक्षा से चली गईं। मोहन ने सुनील को कक्षा में हुआ कार्य बताने से मना कर दिया।

सुनील ने अध्यापिका से मोहन की शिकायत नहीं की। उसने जल्दी ही अपने अच्छे व्यवहार से कक्षा के सभी छात्रों को अपना मित्र बना लिया। कक्षा के सभी छात्र सुनील की मदद करने लगे। कोई भी छात्र मोहन से ज़्यादा बात करना पसंद नहीं करता था।

वार्षिक परीक्षा नज़दीक थी। सभी बच्चे परीक्षा की तैयारी में लगे हुए थे। सभी को **उम्मीद** थी कि हमेशा की तरह मोहन ही कक्षा में प्रथम आएगा।

लेकिन, यह क्या? परीक्षा से कुछ दिन पहले ही मोहन बीमार पड़ गया। उसे तेज़ बुखार हुआ और डॉक्टर ने उसे आराम करने के लिए कह दिया।

मोहन ने कक्षा के सभी छात्रों से मदद माँगी, ताकि वह घर में बैठकर ही परीक्षा की तैयारी कर सके। परंतु उसके व्यवहार से नाराज़ छात्र उसके घर जाने को तैयार नहीं हुए। वैसे भी सभी अपनी-अपनी पढ़ाई में लगे हुए थे।

ऐसे में सुनील ने मोहन की मदद करने का **निश्चय** किया। जब वह मोहन के घर गया, तो मोहन उसे देखकर **हैरान** रह गया।

शब्दार्थ–**वार्षिक**–प्रतिवर्ष होने वाला (annual), **उम्मीद**–आशा, भरोसा (hope) **निश्चय**–तय करना (decide), **हैरान**–चकित (surprise)

उसे वह दिन याद आया जब उसने सुनील की मदद करने से इनकार कर दिया था। उसे अपने व्यवहार पर बहुत पछतावा हुआ।

मोहन और सुनील ने एक साथ बैठकर सारे विषय तैयार कर लिए। सुनील मोहन के साथ पूरा दिन बिताता था। धीरे-धीरे मोहन बिलकुल ठीक हो गया। उसके सभी पेपर अच्छे हो गए।

परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, जिसे देखकर सभी आश्चर्यचकित हो गए। सुनील और मोहन दोनों के अंक एक जैसे ही थे। दोनों ही प्रथम आए थे। मोहन ने सुनील का धन्यवाद किया। उसने सुनील से माफ़ी भी माँगी। उसे यह अहसास हो गया था कि सभी की सहायता करनी चाहिए।

सच ही कहा गया है कि किसी की मदद करने से आपको नुकसान नहीं, अपितु फ़ायदा ही होता है।

शब्दार्थ–परिणाम–नतीजा (result), **घोषित**–घोषणा होना (declaration)

जीवन-सूत्र

- सच्चा मित्र आनंद को दुगुना तथा दुख को आधा कर देता है। –*बेकन*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

होशियार	स्कूल	अध्यापिका	तबादला	शिकायत	व्यवहार
वार्षिक	परीक्षा	नज़दीक	उम्मीद	डॉक्टर	निश्चय

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) मोहन कैसा लड़का था?

(ख) एक दिन अध्यापिका किसे लेकर कक्षा में आईं?

(ग) मोहन ने क्या करने से मना कर दिया?

(घ) सभी को क्या उम्मीद थी?

(ङ) परीक्षा से कुछ दिन पहले क्या हुआ?

लिखित

1. सही विकल्प चुनकर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) कौन परीक्षा की तैयारी में लगे थे?

(*i*) बच्चे ☐ (*ii*) माता-पिता ☐

(*iii*) अड़ोसी-पड़ोसी ☐ (*iv*) शिक्षक ☐

(ख) कौन-सी परीक्षा नज़दीक थी?

(*i*) मासिक ☐ (*ii*) अर्धवार्षिक ☐

(*iii*) वार्षिक ☐ (*iv*) तिमाही ☐

(ग) परीक्षा के समय कौन बीमार पड़ गया?

(*i*) सुनील ☐ (*ii*) मोहन ☐

(*iii*) सोहन ☐ (*iv*) अनिल ☐

(घ) 'सदा मित्र की मदद करो' इस पाठ की सीख है–

(*i*) मदद करो ☐ (*ii*) झगड़ा करो ☐

(*iii*) ज़िद करो ☐ (*iv*) परेशान करो ☐

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

घमंड, होशियार, मित्र, प्रथम, अच्छा, मदद, मोहन

(क) मोहन बहुत ..... लड़का था।

(ख) मोहन को अपनी अमीरी पर ..... था।

(ग) सुनील का व्यवहार ..... था।

(घ) सुनील ने सभी छात्रों को अपना ..... बना लिया।

(ङ) सब बच्चे सुनील की ..... करते थे।

(च) सुनील ने बीमार ..... की मदद की।

(छ) दोनों बच्चे परीक्षा में ..... आए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मोहन को अपने ऊपर घमंड क्यों था?

(ख) सुनील की मदद किसने की?

(ग) बीमार पड़ने पर मोहन की मदद किसने की और कैसे?

(घ) परीक्षा परिणाम निकलने पर सब आश्चर्यचकित क्यों रह गए?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) मोहन का हृदय परिवर्तन कैसे हुआ?

(ख) मित्र की मदद करने से क्या लाभ मिलता है? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

मार्ग वार्षिक प्रथम कार्य आश्चर्य रूद्र

पाठ के अलावा 'र' के विभिन्न रूपों से बने कुछ शब्द लिखिए–

....

2. एक शब्द में लिखिए–

(क) सोने के आभूषण बनाने वाला – .....सुनार.....

(ख) सप्ताह में एक बार प्रकाशित – .....

(ग) मिट्टी के बरतन बनाने वाला – .....

3. समान अर्थ वाले शब्दों को जोड़कर लिखिए–

क	ख
(क) कक्षा	(*i*) विद्यार्थी
(ख) छात्र	(*ii*) लाभ
(ग) मदद	(*iii*) वर्ग
(घ) फ़ायदा	(*iv*) क्षमा
(ङ) माफ़ी	(*v*) सहायता

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- क्या आप अपने मित्र की मदद करते हैं? किस-किस परिस्थिति में आपने अपने मित्र की मदद की? कक्षा में चर्चा कीजिए।

क्रियाकलाप

- नीचे खानों में अक्षर दिए गए हैं, जिन्हें जोड़कर हम कुछ नाम बना सकते हैं। दिए गए स्थान पर इन नामों को लिखिए–

क	ने	रे	णु	पु
स	हा	प	ग	नी
सो	न	ल	रो	त
ह	क	त	हि	ल
न	रे	श	त	लि
नु	म	च	छ	ता

....

....

....

....

1. अब लिखे गए नामों को देखकर बताइए कि क्या इनमें से कोई नाम आपके किसी दोस्त या परिचित का है? यदि ऐसा है तो उनकी विशेषता बताइए।
2. यदि ऐसा नहीं है तो इन नामों के अर्थ पता करके बताइए।

8 सबसे अच्छा कौन?

चिंतन-मनन

सबसे अच्छा क्या है या कौन है? इस पर सबकी अपनी-अपनी पसंद होती है। जिसे जो पसंद है, वह उसके लिए अच्छा है। वास्तव में जो सबके लिए अच्छा हो, उसे आप भी अच्छा मानिए।

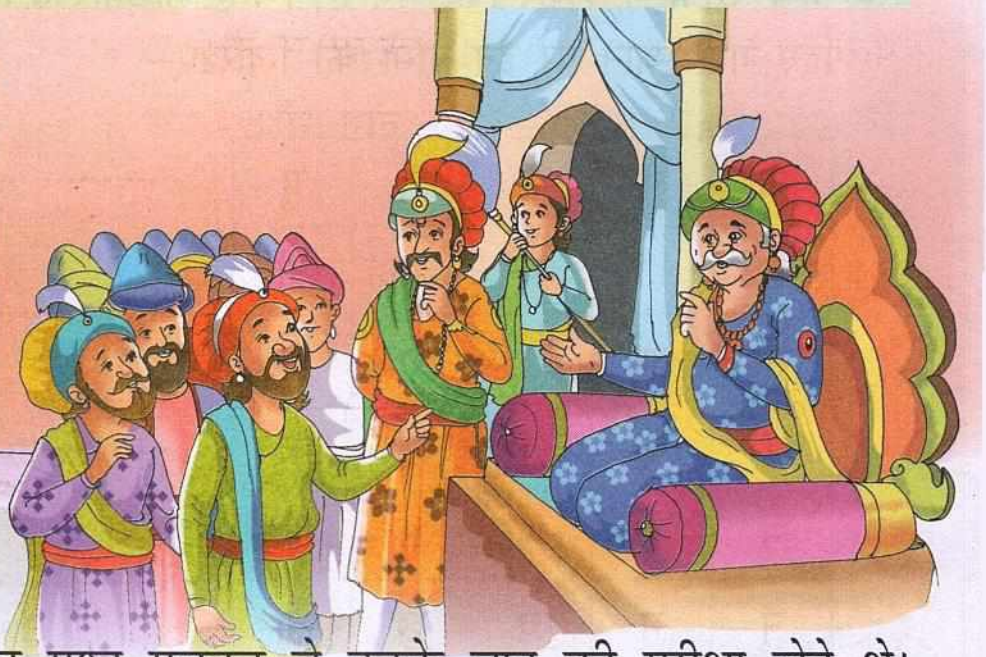

एक दिन शहंशाह अकबर अपने चाँदनी महल में बैठे हुए थे। उनके साथ उनके नवरत्न (मुख्य राजदरबारी) भी बैठे हुए थे। अकसर अकबर अपने नवरत्नों से तरह-तरह के प्रश्न पूछते रहते थे। इस तरह प्रश्न पूछकर वे उनके ज्ञान की परीक्षा लेते थे। एक दिन अकबर ने अपने नवरत्नों से प्रश्न पूछा–"कौन-सा फूल सबसे अच्छा होता है? दूध किसका सबसे अच्छा होता है? मिठास किसकी सबसे अच्छी होती है? पत्ता कौन-सा सबसे अच्छा होता है? तथा सबसे अच्छा राजा कौन-सा है?"

शब्दार्थ–**शहंशाह**–राजा (king), **नवरत्न**–नौ रत्नों का समूह, मुख्य राजदरबारी (the nine gems of the court)

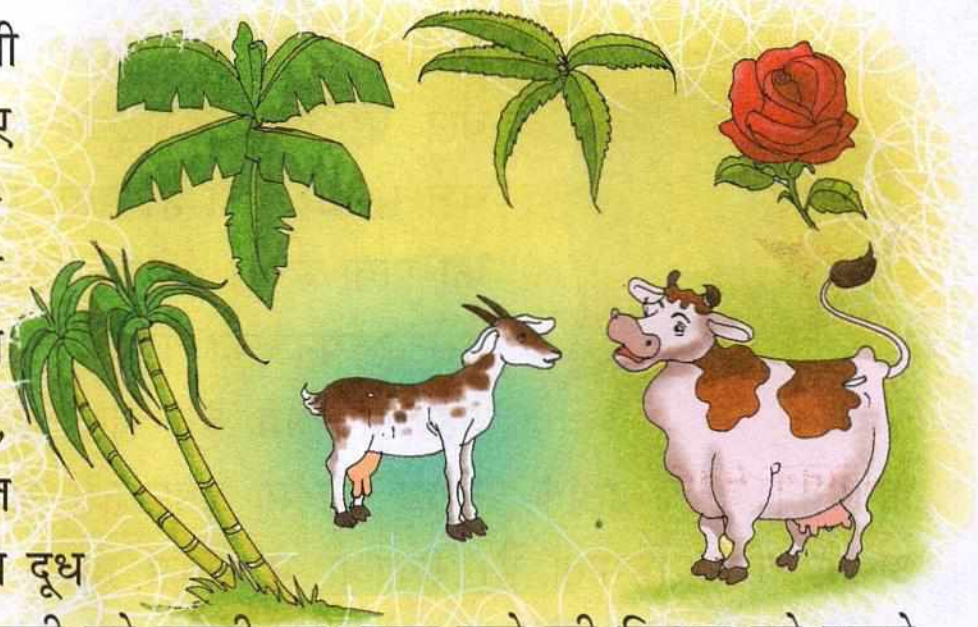

सबकी अपनी-अपनी पसंद होती है इसलिए सभी नवरत्नों ने अलग-अलग उत्तर दिए। एक ने कहा–गुलाब का फूल सबसे अच्छा होता है, तो दूसरे ने बताया कमल का। किसी को गाय का दूध अच्छा लगता था, तो किसी को बकरी का। कुछ गन्ने की मिठास को सबसे अच्छा कहते, तो कुछ शहद को सबसे मीठा समझते। किसी ने केले के पत्तों को अच्छा कहा, तो किसी ने नीम के पत्तों को। अच्छे राजा के बारे में भी सबकी राय अलग-अलग थी। जो राजा की चापलूसी करने वाले थे, उन्होंने तो शहंशाह अकबर को ही सबसे अच्छा राजा बता दिया।

अकबर को सभी उत्तर अच्छे लगे, लेकिन बीरबल बिलकुल चुप थे। अकबर ने उनसे भी उत्तर देने के लिए कहा। कुछ देर तक बीरबल सोचते रहे, फिर बोले–"आलमपनाह! कपास का फूल सबसे बढ़िया होता है। उसी से हम सबको शरीर ढकने के लिए कपड़ा मिलता है।

माँ का दूध सबसे अच्छा होता है, क्योंकि उसे पीकर बच्चा शक्तिशाली बनता है।

शब्दार्थ–राय–सलाह (advice), **चापलूसी**–खुशामद (to flatter), **आलमपनाह**–बादशाह (ruler king), **शक्तिशाली**–बलवान (powerful)

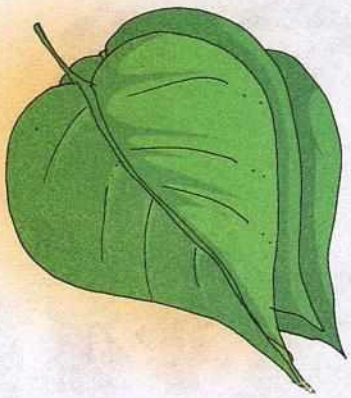

मिठास ज़बान की अच्छी होती है, क्योंकि इसके बल पर व्यक्ति बड़े-से-बड़े शत्रु को भी अपने वश में कर लेता है। पत्तों में पान का पत्ता सबसे बढ़िया होता है। उसे दुश्मन को खिलाएँ, तो वह भी मित्र बन जाता है। पान का बीड़ा उठाने पर हर आदमी ईमानदारी से अपना वचन निभाता है। राजाओं में सबसे अच्छे राजा इंद्र हैं। इंद्र की कृपा से ही आकाश में से वर्षा रूपी अमृत बरसता है।"

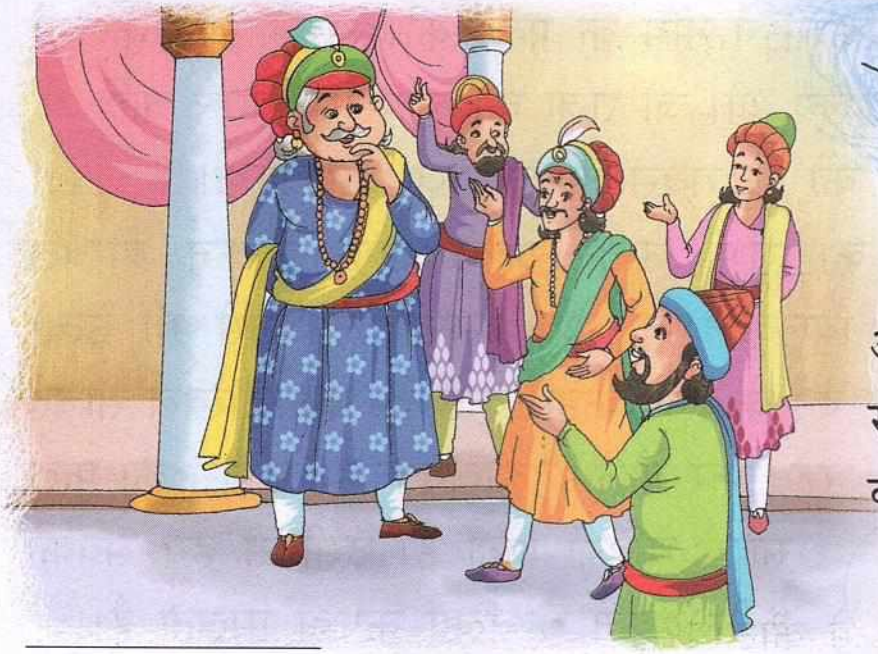

बीरबल का उत्तर सुनकर अकबर बहुत प्रसन्न हुए। सभी नवरत्नों ने भी बीरबल की बहुत प्रशंसा की।

शब्दार्थ–**प्रसन्न**–खुश (happy), **प्रशंसा**–तारीफ़ (praise)

जीवन-सूत्र

- ज्ञान तीन प्रकार से मिल सकता है–मनन से, अनुसरण से और अनुभव से।

–कन्फ्यूशियस

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

शहंशाह	चाँदनी	नवरत्न	ज्ञान	बीरबल	आलमपनाह
शक्तिशाली	दुश्मन	ईमानदारी	इंद्र	कृपा	प्रशंसा

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) चाँदनी महल में अकबर किनके साथ बैठे हुए थे?

(ख) अकबर अपने नवरत्नों से तरह-तरह के प्रश्न क्यों पूछते रहते थे?

(ग) सभी नवरत्नों ने अलग-अलग उत्तर क्यों दिए?

(घ) पान का पत्ता सबसे बढ़िया होता है, कैसे?

(ङ) इंद्र की कृपा से क्या होता है?

लिखित

1. सही विकल्प चुनकर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) अकबर के दरबार में कौन थे?

(*i*) नवरत्न ☐ (*ii*) तेनालीराम ☐

(*iii*) राजा इंद्र ☐ (*iv*) राजा वरुण ☐

(ख) चापलूसी करने वालों ने किसे महान बताया?

(*i*) नीम के पत्ते को ☐ (*ii*) गाय को ☐

(*iii*) शहंशाह अकबर को ☐ (*iv*) चतुर बीरबल को ☐

(ग) सभी ने किसकी प्रशंसा की?

(*i*) राजा की ☐ (*ii*) बीरबल की ☐

(*iii*) प्रजा की ☐ (*iv*) इंद्र की ☐

2. दिए गए शब्दों से रिक्त स्थान भरिए–

कपास, चाँदनी, नवरत्नों, मिठास, अकबर, पान

(क) एक दिन शहंशाह ..... अपने ..... महल में बैठे हुए थे।

(ख) सभी ..... ने अलग-अलग उत्तर दिए।

(ग) ..... का फूल सबसे बढ़िया होता है।

(घ) ..... ज़बान की अच्छी होती है।

(ङ) पत्तों में ..... का पत्ता सबसे बढ़िया होता है।

3. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

(क) अकबर नवरत्नों में एक थे। ☐

(ख) शहंशाह महल में बैठे थे। ☐

(ग) गन्ना नमकीन होता है। ☐

(घ) शहद मीठा होता है। ☐

(ङ) कपास का फूल सुगंधित होता है। ☐

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) अकबर अपने दरबारियों के साथ कहाँ बैठे हुए थे?

(ख) अकबर ने नवरत्नों से कितने प्रश्न पूछे?

(ग) कपास के फूल से हमें क्या मिलता है?

(घ) सबसे अच्छा राजा कौन है?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) शहंशाह अकबर ने नवरत्नों से क्या-क्या पूछा?

(ख) सभी नवरत्नों ने किसकी प्रशंसा की तथा क्यों?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

(क) नवरत्न – नौ रत्नों का समूह (ख) चौराहा – चार राहों का समूह

(ग) पंचमुख – पाँच मुखों का समूह (घ) दशमुख – दस मुखों का समूह

2. पढ़िए और समझिए–

राजा ईमानदारी से अपना वचन निभाता है। (एकवचन के साथ 'है')

राजाओं में सबसे अच्छे राजा इंद्र हैं। (बहुवचन के साथ 'हैं')

'है' और 'हैं' लगाकर कुछ वाक्य लिखिए–

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

3. इन शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखिए–

(क) गणेश – ...गजानन, गणपति, लंबोदर.....

(ख) फूल – .....

(ग) आकाश – .....

(घ) पानी – .....

(ङ) कमल – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. अपनी-अपनी पसंद लिखिए और बताइए कि वह आपको क्यों पसंद है?

   (क) मुझे सब्ज़ियों में अच्छी लगती है .....

   .....

   (ख) मुझे फलों में अच्छा लगता है .....

   .....

   (ग) मुझे फूलों में अच्छा लगता है .....

   .....

2. 'नवरत्न' का क्या मतलब हो सकता है? बताइए।

क्रियाकलाप

- पाठ में बताया गया है कि अकबर अपने नवरत्नों से प्रश्न पूछते थे। आप इन नवरत्नों के बारे में पता लगाइए। उनमें से किसी एक नवरत्न के बारे में विस्तार से जानकारी एकत्र कीजिए एवं कक्षा में चर्चा कीजिए।

अतिरिक्त पठन

इनसाफ़ की डगर पे

इनसाफ़ की डगर पे, बच्चों दिखाओ चल के
यह देश है तुम्हारा, नेता तुम्हीं हो कल के

दुनिया के रंग सहना और कुछ न मुँह से कहना
सच्चाइयों के बल पे आगे ही बढ़ते रहना
रख दोगे एक दिन तुम संसार को बदल के।
इनसाफ़ की डगर पे...

अपने हों या पराये, सबके लिए हो न्याय
देखो कदम तुम्हारा हरगिज़ न डगमगाए
रस्ते बड़े कठिन हैं चलना सँभल-सँभल के।
इनसाफ़ की डगर पे...

इनसानियत के सर पे इज़्ज़त का ताज रखना
तन-मन की भेंट देकर भारत की लाज रखना
जीवन नया मिलेगा अंतिम चिता में जलके।
इनसाफ़ की डगर पे...

अध्यापन-संकेत–इस कविता को वर्ग में 'गेय' रूप में दुहराएँ।

9 देश-प्रेम

चिंतन-मनन

हर एक व्यक्ति के मन में अपने देश के प्रति सम्मान की भावना होनी चाहिए। जो देश के प्रति सम्मान और आदर की भावना रखता है वह महान होता है। बच्चो, आप भी महान बनिए और देश का सम्मान बढ़ाइए।

जापान को 'उगते सूरज का देश' कहते हैं। कई नैसर्गिक विपदाओं के बाद भी इस देश ने खूब तरक्की की है। इसका मुख्य कारण है कि यहाँ के लोग मेहनती हैं। बचपन से इन्हें मेहनत करने की आदत होती है। जापान में बौद्ध धर्म का प्रचार है। जापानी लोग बच्चों को धार्मिक आचरण सिखाते हैं। बच्चों में देश-प्रेम की भावना को भी बढ़ाते हैं।

सन् 1947 के पहले की बात है। तब भारत स्वतंत्र नहीं था। यहाँ अंग्रेज़ों का शासन चलता था। उस समय की घटना है यह, जब नेताजी सुभाषचंद्र बोस जापान गए थे। वे जापानी बच्चों का देश-प्रेम परखना चाहते थे। वे एक प्राथमिक पाठशाला में पहुँचे। सुभाषचंद्र ने आठ साल के एक लड़के को पास बुलाया। उन्होंने उससे पूछा, "क्या तुम जानते हो कि गौतम बुद्ध

शब्दार्थ–परखना–परीक्षण (examine)

कौन हैं?'' लड़के ने झट से कहा, ''उनको कौन नहीं जानता? हम तो रोज़ उनको प्रणाम करते हैं।''

नेताजी ने फिर पूछा, ''अगर कल बुद्ध यहाँ आएँ, तो तुम क्या करोगे?'' लड़का खुशी से बोला, ''वे आएँगे, तो हम उनका स्वागत करेंगे।'' नेताजी ने फिर पूछा, ''मान लो, वे अकेले नहीं, बड़ी सेना लेकर आते हैं और जापान पर चढ़ाई करने आते हैं, तब तुम क्या करोगे?'' यह सुनकर लड़के की **आँखें लाल हो** गई। उसने अपना हाथ ऊपर उठाकर ज़ोर से कहा–

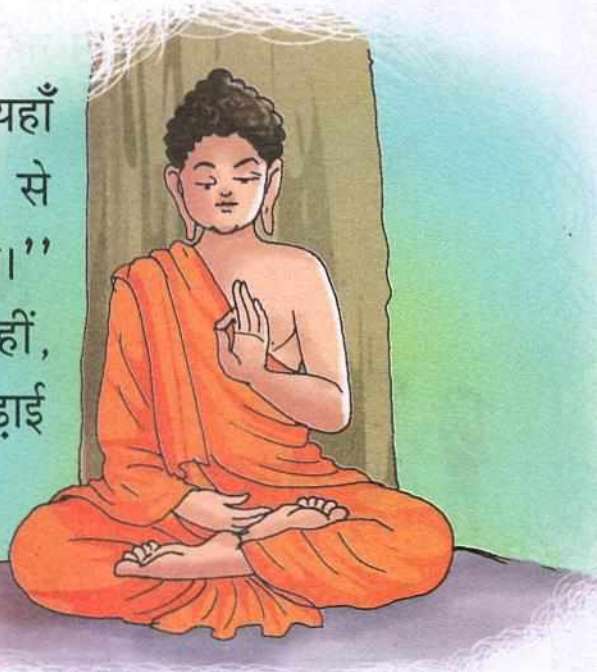

''हम हाथ में बंदूक लेकर जाएँगे। उनका विरोध करेंगे और **दुश्मन** को भगाकर देश की रक्षा करेंगे।''

लड़के का उत्तर सुनकर नेताजी गद्‌गद् हो उठे। वे मन-ही-मन बोले, ''अगर भारत के बच्चों और लोगों में भी ऐसा देश-प्रेम होता तो अंग्रेज़ भारतीयों पर कैसे शासन करते?''

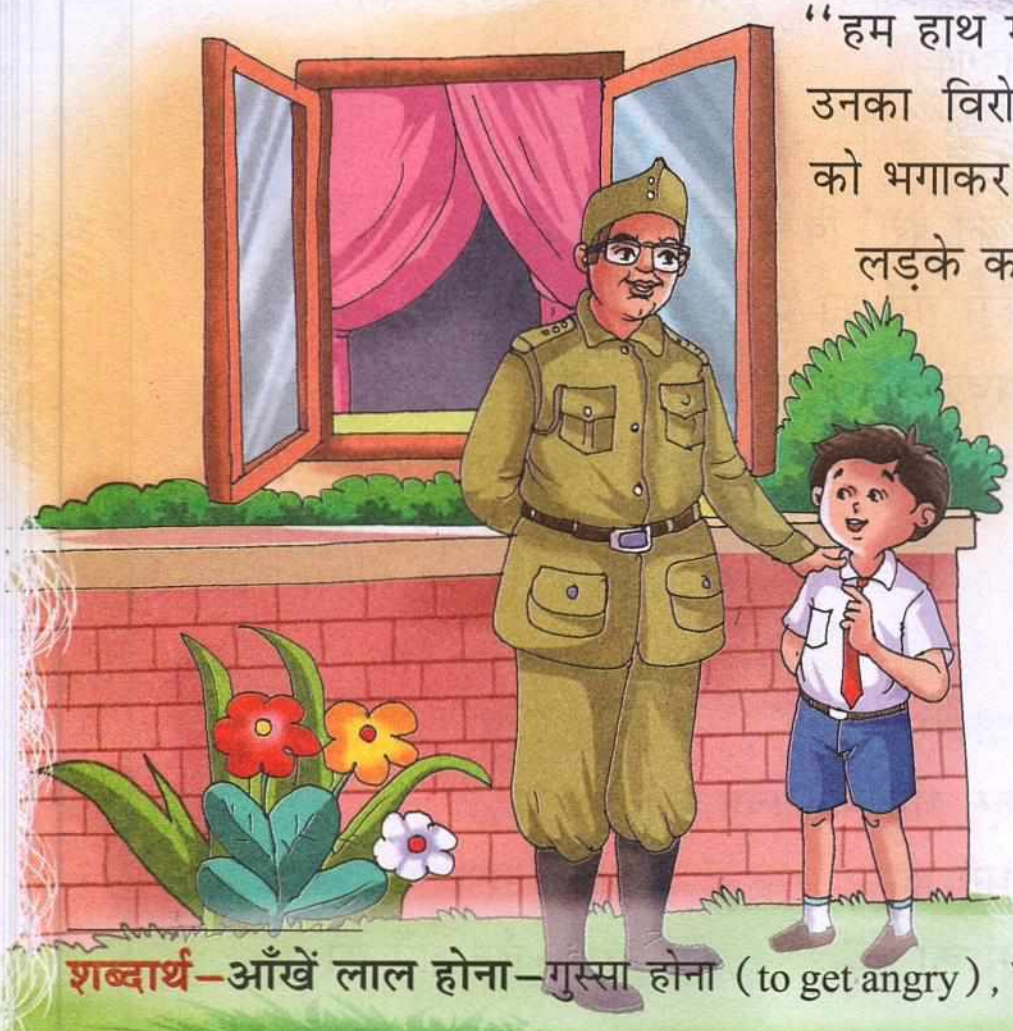

शब्दार्थ–आँखें लाल होना–गुस्सा होना (to get angry), **दुश्मन**–शत्रु (enemy)

जीवन-सूत्र

• जो अपने देश से प्रेम नहीं करता है, वह किसी से प्रेम नहीं कर सकता है।

–लॉर्ड बायरन

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

धार्मिक	आचरण	प्राथमिक	स्वागत
दुश्मन	गद्‌गद	शासन	स्वतंत्र

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) 'उगते सूरज का देश' किसे कहा जाता है?

(ख) जापान में किस धर्म का प्रचार है?

(ग) नेताजी सुभाषचंद्र बोस क्या परखना चाहते थे?

(घ) लड़के का उत्तर सुनकर नेताजी पर क्या प्रभाव पड़ा?

लिखित

1. सही विकल्प चुनकर सही (✓) का निशान लगाइए–

(क) जापान में किस धर्म का प्रचार है?

(*i*) बौद्‌ध धर्म का ☐ (*ii*) ईसाई धर्म का ☐

(*iii*) हिंदू धर्म का ☐ (*iv*) जैन धर्म का ☐

(ख) जापानी लोग बच्चों को कौन-सा आचरण सिखाते हैं?

(*i*) धार्मिक ☐ (*ii*) दैविक ☐

(*iii*) सामाजिक ☐ (*iv*) सांस्कृतिक ☐

(ग) बच्चे हर रोज़ किसे प्रणाम करते थे?

(*i*) श्रीकृष्ण को ☐ (*ii*) बुद्ध को ☐

(*iii*) श्रीराम को ☐ (*iv*) सीता को ☐

(घ) भारत पर किसने राज किया?

(*i*) मुगलों ने ☐ (*ii*) अंग्रेज़ों ने ☐

(*iii*) ग्रीक लोगों ने ☐ (*iv*) डच लोगों ने ☐

2. पाठ पढ़कर, रंगीन शब्दों के स्थान पर पाठ में आए सही शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए–

(क) सुभाषचंद्र बोस माध्यमिक शाला में पहुँचे।

सुभाषचंद्र बोस प्राथमिक पाठशाला में पहुँचे।

(ख) जापानी लोगों ने तरक्की नहीं की।

.....

(ग) उत्तर सुनकर लड़के की आँखें लाल-पीली हुईं।

.....

(घ) "हम हाथ में तलवार लेकर जाएँगे।"

.....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) जापान को क्या कहते हैं?

(ख) जापान के लोग कैसे हैं?

(ग) नेताजी कहाँ गए थे?

(घ) लड़के की उम्र कितनी थी?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) नेताजी ने जापानी बालक के देश-प्रेम की परीक्षा कैसे ली?

(मूल्यपरक प्रश्न)

(ख) 'मेरा भारत महान' इस कथन पर चार या पाँच वाक्य लिखिए।

भाषा ज्ञान

1. निम्नलिखित वाक्यों में आए नामों को रेखांकित कीजिए–

(क) जापान एक अच्छा देश है।

(ख) सुभाषचंद्र भारतीय सेनानी थे।

(ग) गौतम बुद्ध महान व्यक्ति थे।

(घ) भारत महान देश है।

2. पाठ में प्रयुक्त रेफ़-पदेन (र के रूप) वाले शब्द चुनकर लिखिए–

....

अब उपर्युक्त लिखे शब्दों से पाठ के अलावा नए वाक्य बनाइए–

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- आप जानते हैं कि भारत अंग्रेज़ों का गुलाम था। भारत को 15 अगस्त 1947 को आज़ादी मिली। सोचिए और बताइए कि हमारे पूर्वजों को आज़ादी प्राप्त करने के लिए क्या बलिदान करने पड़े होंगे?

क्रियाकलाप

- नीचे कुछ नारे लिखे गए हैं। बताइए कि ये नारे किसने दिए? दिए गए स्थान पर उनके चित्र चिपकाइए और उनके बारे में दो-दो पंक्तियाँ लिखिए–

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा"–	"जय जवान, जय किसान"–	"आराम, हराम है"–
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

10 आगे बढ़ना सीखो

चिंतन-मनन

जीवन में छोटी-छोटी बातों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है। इससे बहुत खुशी मिलती है।

बच्चो! आगे बढ़ना सीखो।
श्रम से कभी न डरना सीखो।।

पथ में आएँ बाधाएँ,
कभी न मन में घबराएँ।
बाधाओं से लड़ना सीखो,
बच्चो! आगे बढ़ना सीखो।।

शिक्षा पाकर योग्य बनो,
स्नेह प्यार में सभी सनो।
अंधकार से लड़ना सीखो,
बच्चो! आगे बढ़ना सीखो।।

शब्दार्थ–**श्रम**–मेहनत (physical labour), **पथ**–रास्ता (path), **बाधाएँ**–रुकावटें (hindrance), **स्नेह**–प्यार (love)

सत्य अहिंसा अपनाओ,
गीत एकता के गाओ।
सबसे मिलकर चलना सीखो,
बच्चो! आगे बढ़ना सीखो।।

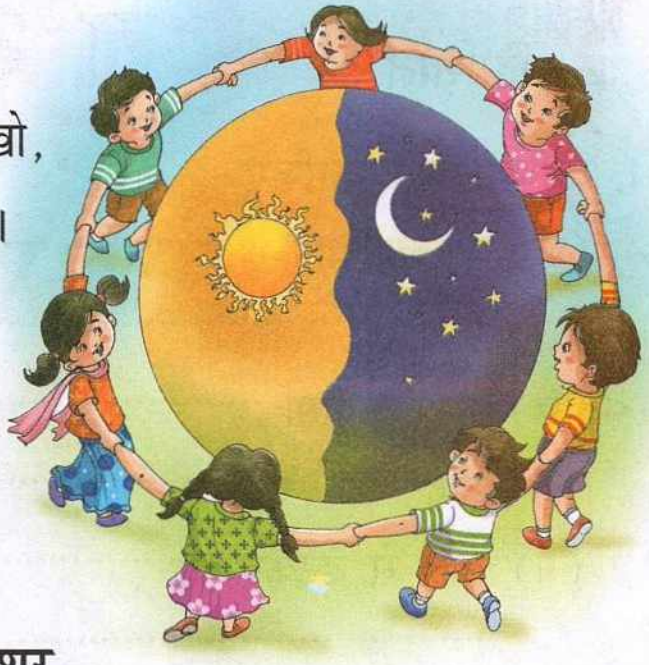

देश धर्म से प्यार करो,
दीन-दुखी के कष्ट हरो।
अरि से डटकर लड़ना सीखो,
बच्चो! आगे बढ़ना सीखो।।

–कर्णसिंह पराशर

शब्दार्थ–कष्ट–तकलीफ़ (pain), **अरि**–शत्रु (enemy)

जीवन-सूत्र

- निर्भीकता स्वतंत्रता की पहली सीढ़ी है। –प्रेमचंद

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

श्रम	पथ	बढ़ना	बाधा	शिक्षा	योग्य
स्नेह	प्यार	अंधकार	एकता	कष्ट	

2. कविता याद करके कक्षा में सुनाइए।

लिखित

1. कविता पूरी कीजिए–

(क) बच्चो! आगे ..... ।

..... ।।

(ख) सत्य अंहिसा ..... ।

गीत ..... ।।

(ग) अरि से डटकर ..... ।

..... सीखो।।

2. तुकांत शब्दों का सही मिलान कीजिए–

क	ख
(क) बढ़ना	(*i*) सनो
(ख) बाधाएँ	(*ii*) गाओ
(ग) बनो	(*iii*) डरना
(घ) अपनाओ	(*iv*) हरो
(ङ) करो	(*v*) घबराएँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बच्चों को किससे डरना नहीं चाहिए?

(ख) रास्ते पर चलते हुए बाधाओं के आने पर क्या करना चाहिए?

(ग) 'अंधकार से लड़ना' के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(घ) किसे अपनाना चाहिए?

(ङ) किससे प्रेम करना चाहिए?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'देश धर्म से प्यार करो, दीन-दुखी के कष्ट हरो।'–इन पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ख) इस कविता के माध्यम से कवि बच्चों को क्या संदेश देना चाहते हैं? अपने शब्दों में लिखिए। **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार (ं) तथा अनुनासिक (ँ) चिह्न लगाकर शब्द लिखिए–

(क) आए – ..... (ख) बाधाओ – .....

(ग) अधकार – ..... (घ) बाधाए – .....

(ङ) पतग – ..... (च) अहिसा – .....

2. विपरीत शब्द लिखिए–

(क) आगे – ..... (ख) बढ़ना – .....

(ग) योग्य – ..... (घ) अंधेरा – .....

(ङ) सत्य – ..... (च) हिंसा – .....

(छ) एकता – ..... (ज) स्नेह – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. आप बच्चे अपने देश के लिए क्या-क्या कर सकते हैं? कक्षा में चर्चा कीजिए।

2. अपना देश और अच्छा बनाने के लिए आप देशवासियों को क्या संदेश देना चाहेंगे? बताइए।

क्रियाकलाप

- दिए गए चित्र में रंग भरिए और वर्ग में तिरंगे के तीनों रंगों की विशेषता पर चर्चा कीजिए–

11 सबक

चिंतन-मनन

अपनी खुशी के लिए कभी किसी को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

चीनी गिलहरी बहुत ही चंचल और शरारती थी। उससे जंगल के सभी जानवर बहुत परेशान थे। किसी न किसी जानवर का नुकसान करना उसकी आदत बन चुकी थी।

एक दिन चीनी, सुंदर खरगोश के खेत में घुस गई। उसने गाजर उखाड़कर खेत से बाहर फेंक दी। सुंदर उसे पकड़ने की कोशिश करता रहा पर वह सफल न हुआ। सुंदर उदास होकर अपनी खराब हुई

शब्दार्थ–**चंचल**–चुलबुले (restless), **आदत**–स्वभाव (habbit)

गाजरों के पास बैठ गया। तभी वहाँ से चीकू बंदर निकला और उसने उदास सुंदर से पूछा–"क्या हुआ सुंदर? तुम इतने उदास क्यों हो?" "क्या करूँ, चीकू भाई आज फिर चीनी ने मेरी गाजरें खराब कर दीं। उसने सारी गाजरें खेत से उखाड़कर फेंक दीं।" आँखों में आँसू भरकर सुंदर ने बताया।

"चीनी की शरारतें दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही हैं, उसे सबक सिखाना पड़ेगा।" चीकू ने क्रोध से कहा। "हाँ, चीकू भाई! पर हम करेंगे क्या?" सुंदर ने पूछा। वे दोनों मिलकर एक योजना बनाते हैं।

चीकू एक छोटा-सा खेत तैयार करता है, जिसमें वह मूली लगा देता है। उसे विश्वास था कि चीनी यहाँ ज़रूर आएगी।

जैसे ही चीनी मूली देखती है, उसे शरारत सूझती है। वह मूली उखाड़ने के लिए खेत में घुस जाती है। अचानक वह खेत से बाहर आकर ज़मीन पर लोटने लगती है।

शब्दार्थ–**उदास**–दुखी (sad), **अचानक**–एकदम (suddenly)

साथ ही 'बचाओ-बचाओ' की आवाज़ें निकालने लगती है। दूर बैठे चीकू और सुंदर उसके पास आ जाते हैं।

चीनी उन्हें देखकर कहती है–"चीकू भैया, मुझे बचाओ, सुंदर भैया मुझे बचाओ। मुझे बहुत खुजली हो रही है। कुछ तो करो।"

"अरे! यह क्या हुआ?" चीकू जान-बूझकर पूछता है। "तुम तो रोज़ सभी को परेशान करती हो। आज तुम परेशान हो रही हो।"–सुंदर ने पूछा। दोनों हँसने लगे।

"तुम दोनों हँस क्यों रहे हो?" चीनी ने चिढ़ते हुए कहा, "मुझे बचाओ, मेरी मदद करो।"

"रोज़ तुम सबके साथ शरारत कर उन्हें नुकसान पहुँचाती थी। आज तुम परेशान हो रही हो।" सुंदर ने कहा।

तभी चीनी बोली–"सुंदर मुझे माफ़ कर दो। मैं समझ गई कि किसी को परेशान करके मज़े लेना अच्छी बात नहीं है।"

"तुम पहले वादा करो कि कभी कोई ऐसा काम नहीं करोगी जिससे किसी को भी परेशानी या नुकसान हो।" चीकू ने कहा।

चीकू सुंदर को कहता है–"चीनी को दवा दे दो। मुझे लगता है कि इसे समझ आ गई है। अब यह किसी को परेशान नहीं करेगी।"

सुंदर चीनी को दवा लगा देता है। चीनी ठीक हो जाती है।

शब्दार्थ–चिढ़ते–झुँझलाते हुए (irritat)

जीवन-सूत्र

- आप दूसरों से जिस व्यवहार को अपने प्रति पसंद नहीं करते हैं, स्वयं भी वैसा व्यवहार दूसरों के साथ मत कीजिए। *–कन्फ्यूशियस*

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

चंचल	शरारती	जंगल	आदत
योजना	अचानक	खुजली	नुकसान

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) गिलहरी का नाम क्या था?

(ख) उसकी क्या आदत थी?

(ग) सुंदर खरगोश ने खेत में क्या उगाया था?

(घ) चीकू बंदर ने सुंदर खरगोश से क्या कहा?

(ङ) कौन दवा लगाता है?

लिखित

1. किसने कहा?

(क) "क्या हुआ सुंदर? तुम इतने उदास क्यों हो?" .....

(ख) "चीनी की शरारतें दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही हैं।" .....

(ग) "हाँ, चीकू भाई! पर हम करेंगे क्या?" .....

(घ) "मुझे बहुत खुजली हो रही है। कुछ तो करो?" .....

(ङ) "मुझे माफ़ कर दो।" .....

2. निम्नलिखित शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–

जानवर, आँखों, चंचल, योजना, शरारती, गाजरें

(क) चीनी गिलहरी बहुत ही ..... और ..... थी।

(ख) जंगल के सभी ..... बहुत परेशान थे।

(ग) चीनी ने सारी ..... खेत से उखाड़कर फेंक दी।

(घ) ..... में आँसू भरकर सुंदर ने बताया।

(ङ) वे दोनों मिलकर एक ..... बनाते हैं।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) चीनी गिलहरी कैसी थी?

(ख) सुंदर खरगोश ने चीकू बंदर को क्या बताया?

(ग) चीकू ने सबक सिखाने के लिए क्या किया?

(घ) चीनी गिलहरी ने चिढ़ते हुए क्या कहा?

(ङ) अंत में चीनी को क्या समझ आया?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) हमें दूसरों का नुकसान क्यों नहीं करना चाहिए? कहानी के आधार पर बताइए।

(ख) इस कहानी से क्या संदेश मिलता है? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए, समझिए और लिखिए–

नुकसान – फ़ायदा, पकड़ना – छोड़ना

निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्द का उलटा शब्द लिखकर वाक्य दुबारा लिखिए–

(क) चीकू ने <u>क्रोध</u> से कहा।

.....

(ख) दोनों <u>हँसने</u> लगे।

.....

(ग) <u>परेशान</u> हो रही हो।

.....

2. उदाहरण देखकर शब्दों के वर्णों को अलग-अलग कीजिए–

चीनी – च् + ई + न् + ई

(क) शरारती – ..... + ... + ... + ... + ... + ... + ... + ...

(ख) उदास – ..... + ... + ... + ... + ...

(ग) सबक – ..... + ... + ... + ... + ... + ...

(घ) विश्वास – ..... + ... + ... + ... + ... + ... + ...

(ङ) अचानक – ..... + ... + ... + ... + ... + ... + ...

3. वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए–

(क) जल में रहने वाला जीव – जलचर

(ख) नभ में विचरने वाला जीव – .....

(ग) भू (धरती) पर विचरने वाला – .....

(घ) एक साथ रहने वाले – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- आपने भी कभी कोई शरारत की होगी, उसे कक्षा में सुनाइए। उस शरारत का परिणाम भी बताइए।

क्रियाकलाप

- बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा कीजिए और रंग भरिए–

गतिविधि-1

बीज चक्र

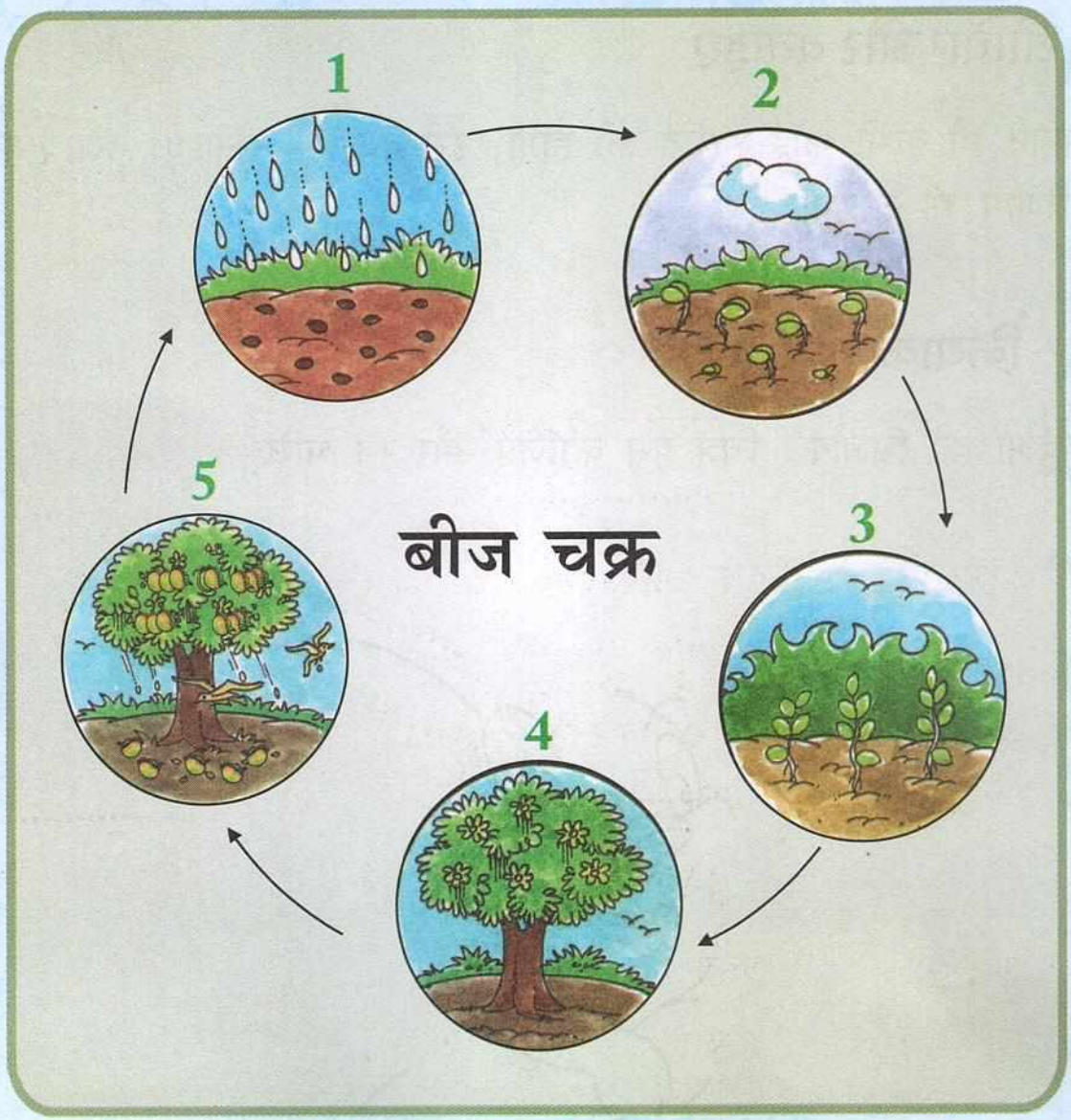

अध्यापन-संकेत–चित्र देखकर चर्चा करें।

अतिरिक्त पठन

सावधान हो सावधान!

प्लास्टिक थैली से हों,
सावधान भाई सावधान।

दिखने की यह छोटी-सी,
रंग-बिरंगी भोली-सी,
इसकी असलियत पहचान।
सावधान हो सावधान।
प्लास्टिक थैली से हों,
सावधान भाई सावधान।

पानी को बहने ना दें,
पौधों को उगने ना दें
छिपे हुए को दुश्मन जान।
प्लास्टिक थैली से हों,
सावधान हो सावधान।
सावधान भाई सावधान।

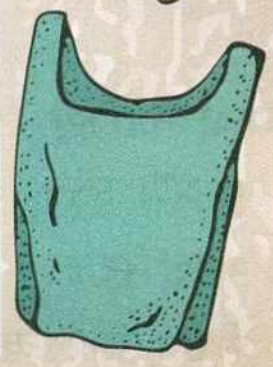

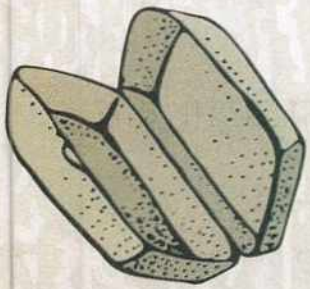

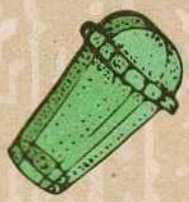

जलने से ज़हर उगले,
दबने से भी नहीं गले,
मिला इसे ऐसा वरदान।
सावधान हो सावधान।
प्लास्टिक थैली से हों,
सावधान भाई सावधान।

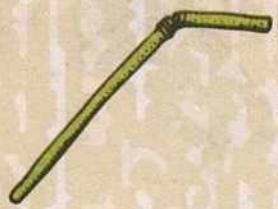

दुश्मन को अब जाना है,
घर से इसे भगाना है,
बढ़ते खतरे को पहचान।
सावधान हो सावधान।
प्लास्टिक थैली से हों,
सावधान भाई सावधान।

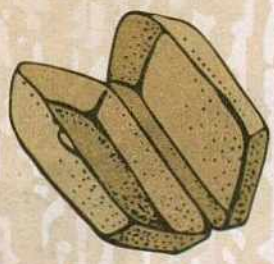

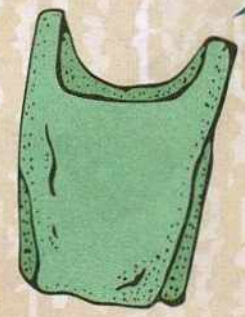

चर्चा कीजिए–

- आप किन-किन कार्यों के लिए प्लास्टिक या पॉलीथिन का प्रयोग करते हैं?
- प्लास्टिक से पर्यावरण किस प्रकार दूषित हो रहा है? बताइए।
- हम प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण से कैसे बच सकते हैं?

12 गांधी बन जाऊँगा

चिंतन-मनन

देश और समाज को बदलने से पहले यह ज़रूरी है कि हम स्वयं को बदलें। हम बदलेंगे तभी देश और समाज के निर्माण में योगदान कर पाएँगे।

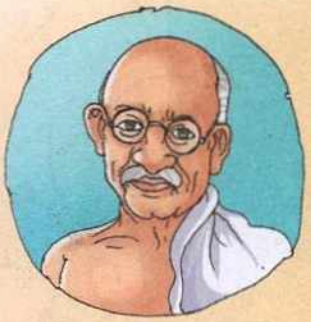

माँ खादी की चादर दे दो
मैं गांधी बन जाऊँगा,
सभी मित्रों के बीच बैठकर
रघुपति राघव गाऊँगा।
निक्कर नहीं धोती पहनूँगा
खादी की चादर ओढ़ूँगा,
घड़ी कमर में लटकाऊँगा
सैर सवेरे कर आऊँगा।
कभी किसी से नहीं लड़ूँगा
और किसी से नहीं डरूँगा,
झूठ कभी मैं नहीं कहूँगा
सदा सत्य की जय बोलूँगा।

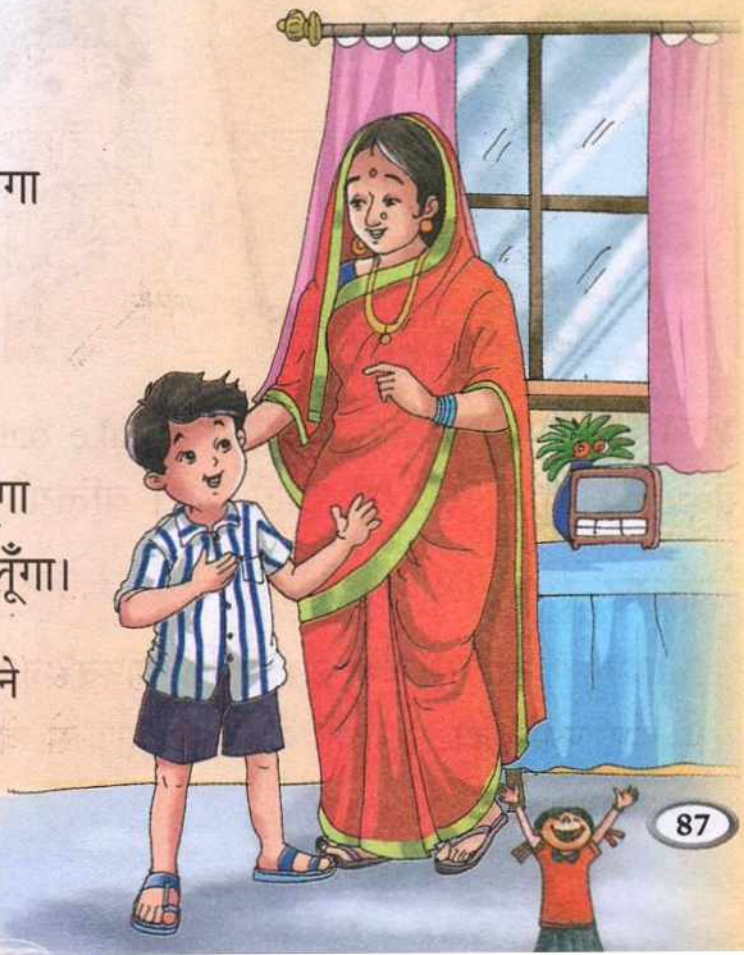

शब्दार्थ–**खादी**–चरखे से बने वस्त्र (khadi)

आज्ञा तेरी मैं मानूँगा
सेवा का प्रण मैं ठानूँगा,
मुझे रुई की पूनी दे दो
चरखा खूब चलाऊँगा।

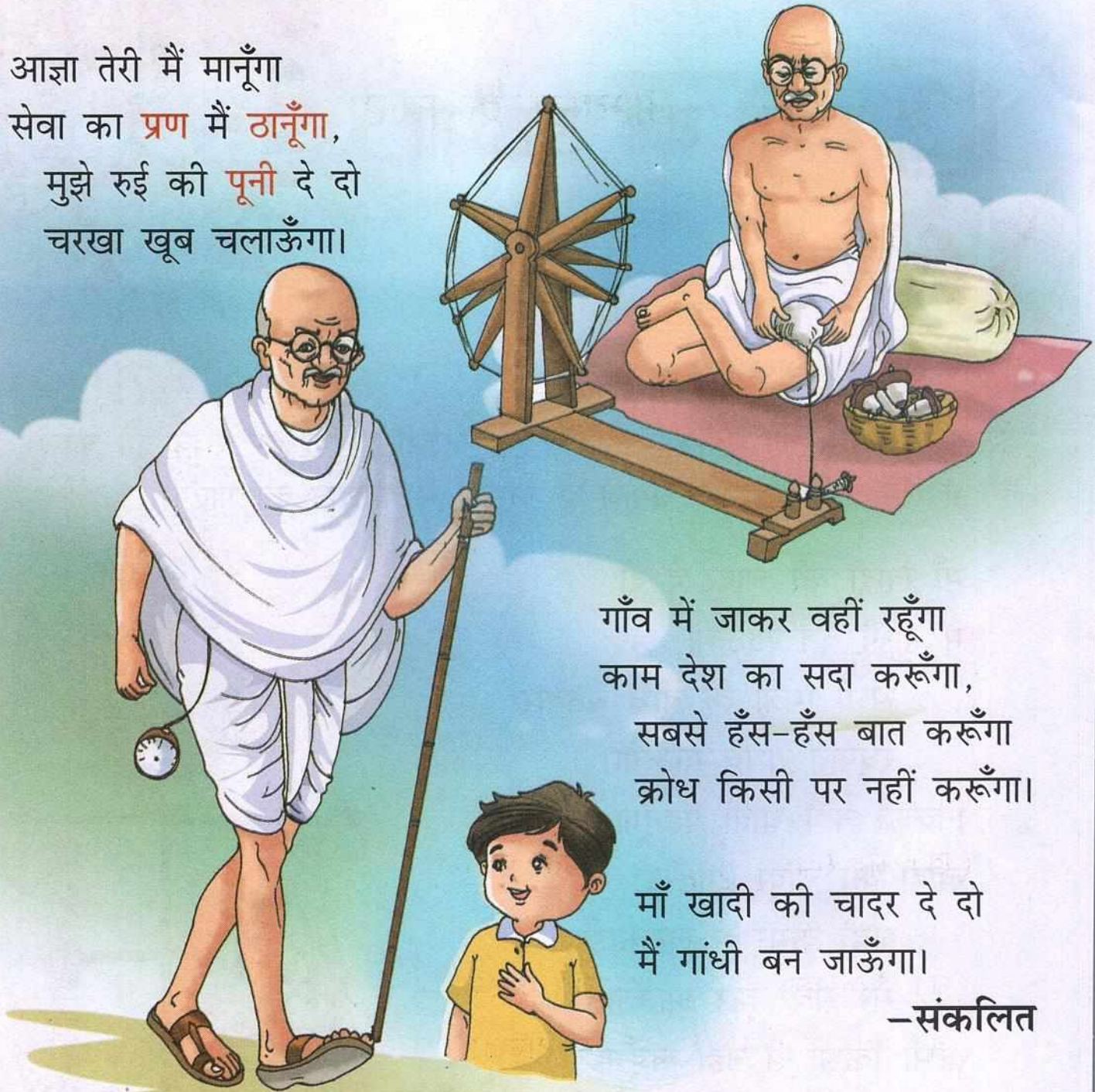

गाँव में जाकर वहीं रहूँगा
काम देश का सदा करूँगा,
सबसे हँस-हँस बात करूँगा
क्रोध किसी पर नहीं करूँगा।

माँ खादी की चादर दे दो
मैं गांधी बन जाऊँगा।

–संकलित

शब्दार्थ–प्रण–प्रतिज्ञा करना (to take oath), **ठानना**–निर्धारित करना (to decide), **पूनी**–रुई की छोटी-छोटी बत्तियाँ (thin roll of cotton)

जीवन-सूत्र

- वसुधा ही मेरा देश है। संपूर्ण मानव-जाति मेरे बंधु हैं और भलाई करना ही मेरा धर्म है।
–थामसपेन

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

माँ	खादी	मित्रों	रघुपति	चादर	घड़ी
सत्य	प्रण	रुई	क्रोध	आज्ञा	गाँव

2. कविता याद करके कक्षा में सुनाइए।

लिखित

1. जोड़कर लिखिए–

(क) निक्कर नहीं	मैं मानूँगा।
(ख) सैर सवेरे	धोती पहनूँगा।
(ग) आज्ञा तेरी	सदा करूँगा।
(घ) सेवा का प्रण	कर आऊँगा।
(ङ) काम देश का	मैं ठानूँगा।

.....

.....

.....

.....

.....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बालक किस तरह की चादर माँग रहा है?

(ख) मित्रों के बीच बालक कौन-सा गीत गाना चाहता है?

(ग) बालक कमर में क्या लटकाना चाहता है?

(घ) बालक कहाँ जाकर रहना चाहता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) बुरा मत सुनो, बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो। आपको इन तीनों में कौन-सी बात ज़्यादा पसंद है? क्यों? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

(ख) अहिंसा का मतलब क्या है? गांधी जी ने इसे अपनाकर क्या पाया? **(मूल्यपरक प्रश्न)**

भाषा ज्ञान

1. निम्नलिखित शब्दों को सही स्थान पर लिखिए–

सच-झूठ	हँस-हँस	कभी-कभी	गाँव-गाँव
शाम-सवेरे	हँसना-रोना	अमीर-गरीब	घर-घर

पुनरुक्त शब्द	विपरीत अर्थ वाले शब्द
.....हँस-हँस.....	.....सच-झूठ.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. कविता में प्रयुक्त समान तुक वाले शब्द छाँटकर लिखिए–

जाऊँगा	–	गाऊँगा			
.....	–	.....		.....	– .....
.....	–	.....		.....	– .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

- अगर आप एक दिन के लिए गांधी जी बनते तो क्या-क्या करते? गांधी जी की तरह ही और कोई नेता आपको पसंद हो, तो उनकी वेशभूषा पहनकर वर्ग में अभिनय कीजिए। अपने उस पसंदीदा नेता की कुछ विशेषताएँ भी बताइए।

क्रियाकलाप

- इनमें से कौन-सी वस्तुएँ गांधी जी से संबंधित हैं? इनके चित्र चिपकाइए–

कमर की घड़ी	छड़ी	गुलाब	धोती
पैर के खड़ाऊँ	चरखा	तिरंगा	गोल चश्मा

13 शरारती मेहुल

चिंतन-मनन

हमारी दिनचर्या को आसान बनाने के लिए आजकल हम बहुत सारे यंत्रों का उपयोग करते हैं। लेकिन उनके दुरुपयोग से हमें बचना चाहिए।

सूत्रधार – मेहुल बहुत शरारती लड़का है। उसे हर समय शरारत सूझती है। आप स्वयं ही देख लीजिए।

(एक आदमी जा रहा है और मेहुल एक 100 रुपये का नोट धागे से बाँधकर खिड़की से लटकाता है।)

आदमी – अरे वाह! सौ रुपये!

(मेहुल धीरे-धीरे धागे को खींच लेता है और आदमी नोट को पकड़ने के चक्कर में उसके पीछे-पीछे जाता है, तो मेहुल ज़ोर से हँसता है और आदमी झेंप जाता है।)

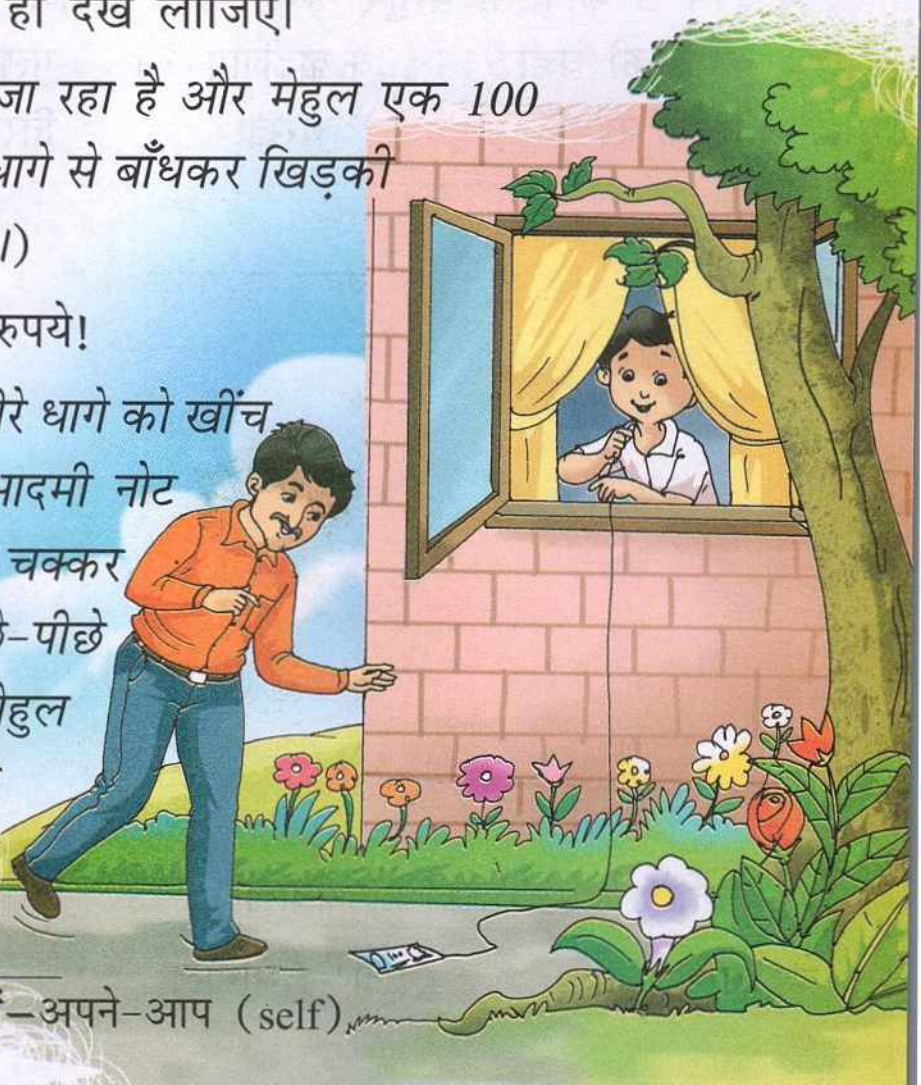

शब्दार्थ–स्वयं–अपने-आप (self)

(तभी घर में टेलीफ़ोन की घंटी बजती है।)

मेहुल – अरे वाह! नए फ़ोन पर पहली कॉल। हैलो! आप कौन बोल रहे हैं? किससे बात करनी है?

मि० राकेश – बेटे! क्या पापा घर पर हैं?

मेहुल – नहीं अंकल, वे तो ऑफ़िस गए हैं। कोई मैसेज़ हो तो दे दीजिए।

मि० राकेश – नहीं बेटा, मैं ऑफ़िस में ही फ़ोन कर लेता हूँ।

दादी माँ – मेहुल, किसका फ़ोन था?

मेहुल – पापा के लिए था।

(मेहुल अपने-आप से बातें करता हुआ।)

अरे! मुझे पहले क्यों नहीं सूझा? फ़ोन करके लोगों को परेशान किया जाए और अपना टाइम पास किया जाए। नए फ़ोन पर नई-नई बात की जाए।

(मेहुल अपनी कक्षा की सोनाली के घर का नंबर मिलाता है। वह बहुत डरपोक है।)

सोनाली – हैलो! मैं सोनाली।

मेहुल – मैं दोनाली। (सोनाली हँसती है।)

खबरदार जो हँसी (डरावनी आवाज़ में)! सारे दाँत निकाल दूँगा।

सोनाली – मम्मी! मम्मी! (डरकर रिसीवर रखती है।)

सूत्रधार – अरे! यह क्या? अब मेहुल ने तो पुलिस स्टेशन का नंबर मिला दिया। ओह! अब यह क्या करने वाला है?

मेहुल – (घबराए हुए स्वर में) अंकल! अंकल! जल्दी आ जाइए। हमारे घर में लुटेरे घुस आए हैं।

इंस्पेक्टर – कहाँ से बोल रहे हो बेटे?

मेहुल – मैं सेठ जीवन राम का पोता बोल रहा हूँ, आप जल्दी आइए।

इंस्पेक्टर – तुम घबराओ नहीं बेटे, हम अभी पहुँचते हैं।

(पुलिस जीवन राम के घर पहुँचती है।)

इंस्पेक्टर – हमें फ़ोन पर सूचना मिली है कि आपके घर में लुटेरे घुस आए हैं।

जीवन राम – नहीं तो, किसने सूचना दी आपको?

इंस्पेक्टर – आपके पोते ने।

जीवन राम – मगर वह तो अपने कमरे में सो रहा है। किसी और ने फ़ोन किया होगा।

इंस्पेक्टर – हमें माफ़ कीजिए। पता नहीं किसने हमारे साथ यह भद्दा मज़ाक किया है?

सूत्रधार – उधर मेहुल के घर के दरवाज़े की घंटी बजती है। दादी देखती है कि वह पापा के दफ़्तर का चपरासी था।

चपरासी – साहब सीढ़ियों से गिर गए हैं और उन्हें चोट आई है। वे अस्पताल में हैं। वे बहुत देर से घर पर फ़ोन करने की कोशिश कर रहे थे, परंतु आपका फ़ोन इंगेज ही मिल रहा था।

(तभी मेहुल वहाँ आ जाता है।)

मेहुल – ओह! यह क्या हो गया?

(दादा, दादी और मेहुल चपरासी के साथ जैसे ही चलने लगते हैं, वैसे ही पुलिसवाले आ जाते हैं।)

पुलिस – मिस्टर परमार का घर यही है?

दादी – जी हाँ।

शब्दार्थ–**भद्दा**–खराब (awful)

पुलिस – आपको हमारे साथ पुलिस स्टेशन चलना होगा। किसी बच्चे ने आपके फ़ोन से हमें गलत सूचना दी थी। जिसकी वजह से हमें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा है।

(मेहुल की तरफ़ इशारा करता है) यह आपका पोता है? (मेहुल से) "तुम्हारा नाम क्या है?"

मेहुल – मेहुल परमार।

दादा-दादी – हमारा बेटा अस्पताल में है। हम तो वैसे ही बहुत परेशान हैं।

इंस्पेक्टर – चलिए, हम भी आपके साथ अस्पताल चलते हैं।

(मेहुल के पापा के पैर में प्लास्टर बँधा था। मेहुल के बारे में सारी बात जानकर उन्हें बहुत दुख हुआ।)

पापा – इंस्पेटर साहब, मैं अपने बेटे की गलती पर बहुत शर्मिंदा हूँ।

शब्दार्थ–**शर्मिंदा**–लजाना (ashamed)

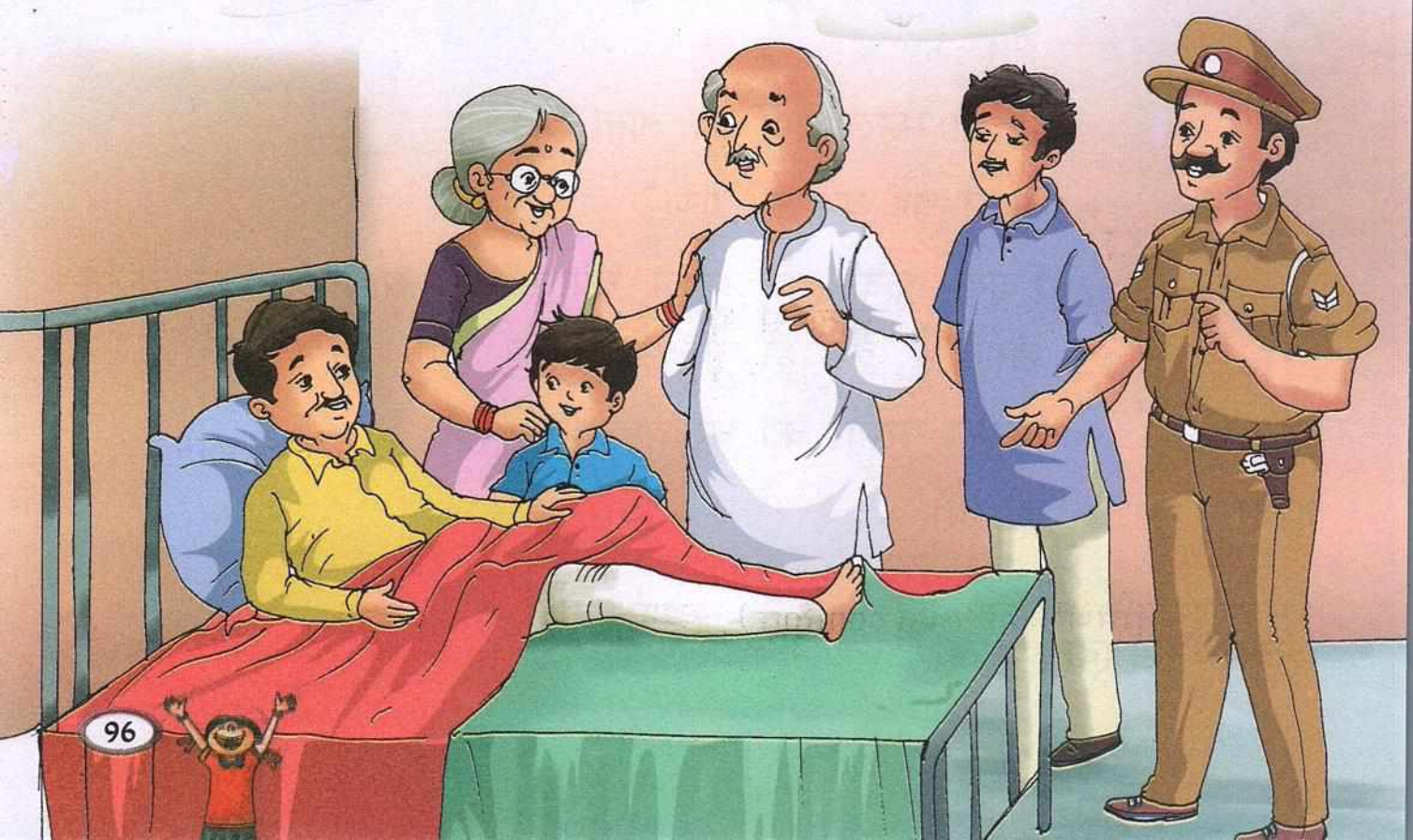

मेहुल – (मेहुल रोते हुए) पापा मुझे माफ़ कर दीजिए। मुझसे गलती हो गई।

पापा – बेटे, फ़ोन ज़रूरी बातों के लिए होता है। शरारत करने के लिए या किसी को तंग करने के लिए नहीं। देखो, मेरे आफ़िस वालों को ज़रूरी संदेश देना था, लेकिन फ़ोन बिज़ी होने के कारण नहीं दे पाए।

मेहुल – (दादी से लिपटते हुए) अब मैं बिलकुल शरारत नहीं करूँगा।

सूत्रधार – बच्चो, आपने देखा, मेहुल की शरारतों से कितने लोगों को परेशानी हुई। जिस सुविधा के लिए टेलीफ़ोन लगवाया गया था, समय पड़ने पर वह काम न आया। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप भी टेलीफ़ोन पर व्यर्थ बातें नहीं करेंगे।

जीवन-सूत्र

- ज़िंदगी में छोटी-छोटी बातों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है और उनसे बहुत प्रसन्नता भी मिलती है।

–रसेल कानवेल

शब्दार्थ–सुविधा–आराम (comfort), **व्यर्थ**–बेकार (useless)

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

टेलीफ़ोन	आफ़िस	मैनेजर	स्टेशन	दफ़्तर
अस्पताल	प्लास्टर	इंस्पेक्टर	संदेश	उम्मीद

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) मेहुल को हमेशा क्या सूझता था?

(ख) नए फ़ोन पर पहली कॉल किसकी आई थी?

(ग) सोनाली कैसी लड़की थी?

(घ) मेहुल ने इंस्पेक्टर से क्या कहा?

(ङ) जीवन राम ने इंस्पेक्टर को क्या बताया?

लिखित

1. किसने, किससे कहा?

(क) "नहीं अंकल, वे तो ऑफ़िस गए हैं।" ....

(ख) "मगर वह तो अपने कमरे में सो रहा है। ....
किसी और ने फ़ोन किया होगा।"

(ग) "साहब सीढ़ियों से गिर गए हैं और उन्हें ....
चोट आई है।"

(घ) "चलिए, हम भी आपके साथ अस्पताल ....
चलते हैं।"

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) मेहुल कैसा लड़का था?

(ख) मेहुल ने अपनी कक्षा की सोनाली को फ़ोन पर क्या कहा?

(ग) चपरासी ने दादी को क्या बताया?

(घ) हमें टेलीफ़ोन का प्रयोग कब करना चाहिए?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) 'शरारत करने से कभी-कभी शरारती फँस जाता है।' मेहुल अपनी शरारत के कारण कैसे फँसा? लिखिए।

(ख) मेहुल ने शरारत न करने का निर्णय क्यों लिया? लिखिए।

(मूल्यपरक प्रश्न)

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए

लड़का	–	लड़की	दादा	–	दादी
आदमी	–	औरत	बेटा	–	बेटी
पोता	–	पोती	पापा	–	मम्मी

2. पाठ में प्रयुक्त संयुक्ताक्षर, द्वित्व व्यंजन और नुक्ते वाले शब्द लिखिए–

संयुक्ताक्षर	द्वित्व व्यंजन	नुक्ते वाले शब्द
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

3. पाठ में प्रयुक्त अंग्रेज़ी शब्दों को छाँटिए और उनके अर्थ लिखिए–

अंग्रेज़ी शब्द	अर्थ	अंग्रेज़ी शब्द	अर्थ
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

• हम किस-किस माध्यम से संदेश भेज सकते हैं? चित्र देखकर नाम लिखिए–

.....

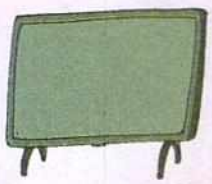

.....

.....

.....

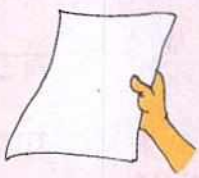

.....

.....

क्रियाकलाप

1. आप अपने मित्र या किसी परिचित को कोई ज़रूरी सूचना देना चाहते हैं। वह सूचना लिखिए और वर्ग में चर्चा कीजिए।
2. इस एकांकी का कक्षा में अभिनय कीजिए।

14 बगीचे का घोंघा

चिंतन-मनन

हम जहाँ रहते हैं, उसके अलावा भी ऐसी बहुत-सी चीज़ें हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। उन्हें जानने के लिए हमें उस दुनिया को देखना पड़ेगा। बाहर से देखने पर वह दुनिया हमें आश्चर्यचकित कर देगी।

बहुत समय पहले की बात है। एक बगीचे में एक घोंघा रहता था। जानते हैं घोंघा कैसा होता है?

बगीचा बहुत छोटा और सुंदर था। घोंघे ने अपनी सारी ज़िंदगी उसी बगीचे में बिताई थी। जितने धीमे-धीमे वह चलता था, उसे बगीचे के एक छोर से

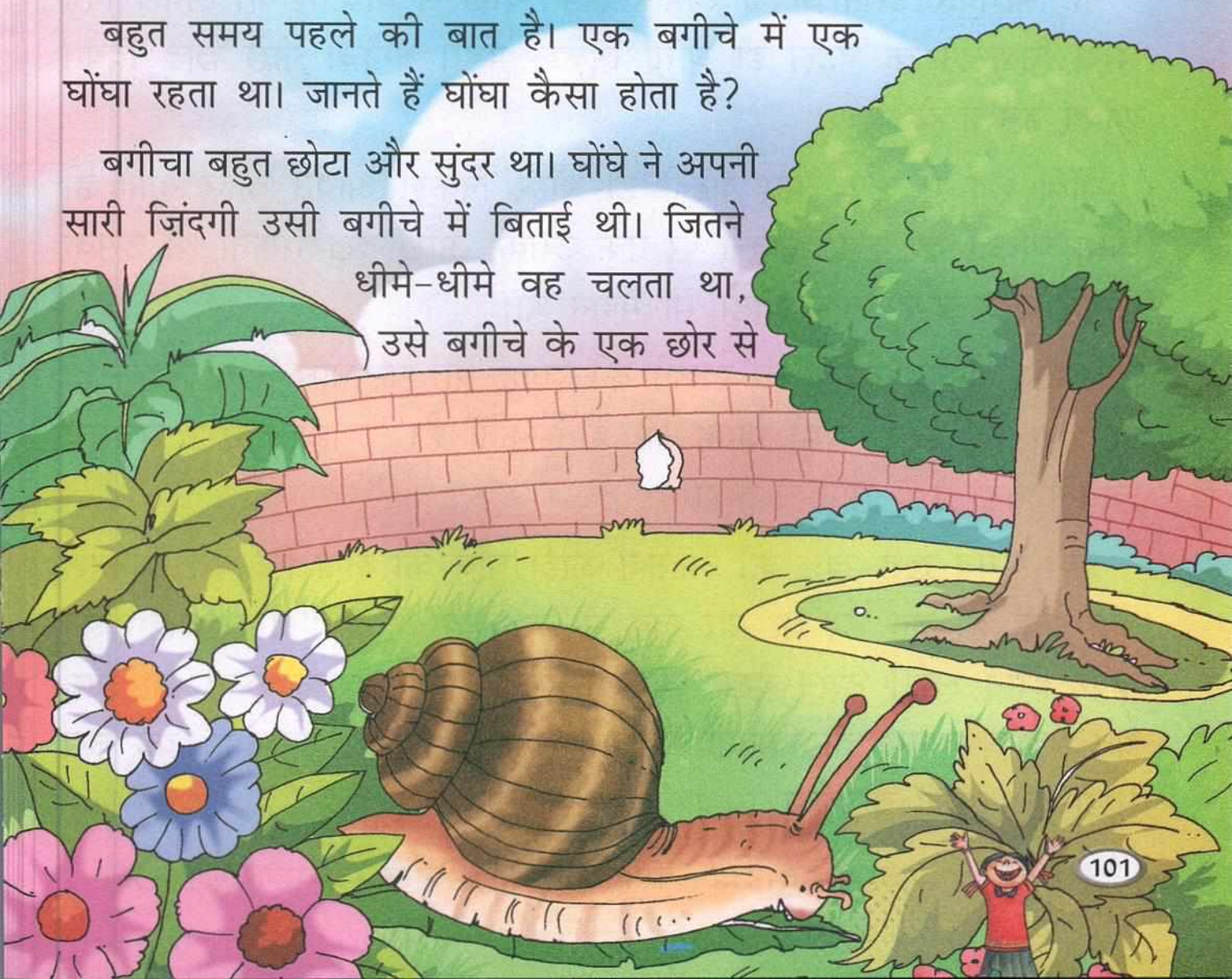

दूसरे छोर तक पहुँचने में पूरे दो दिन लगते थे। इतने समय तक वहाँ रहने की वजह से घोंघा बगीचे का कोना-कोना पहचान गया था। पर कभी-कभी घोंघे को लगता, इस बगीचे के बाहर क्या होगा? कैसी होती होगी बाहर की दुनिया?

बगीचे की दीवार में एक छेद था। घोंघा रोज़ उस छेद को देखता। उसे याद आता कि उसकी माँ उससे कहा करती थीं, "अगर तुमने ज़्यादा बदमाशी की तो मैं तुम्हें इस छेद से बाहर की दुनिया में धकेल दूँगी।"

घोंघा कुछ और दिन सोचता रहा, फिर उसने तय कर लिया, "मैं बाहर जाकर देखूँगा कि दुनिया कैसी है।"

यह सोचकर उसने अपना सामान अपने शंख में बाँध लिया। अगले दिन सूरज निकलने के पहले ही घोंघा निकल पड़ा। बगीचा पीछे छोड़ दिया। शायद हमेशा के लिए।

घोंघा छेद में घुसा और जल्दी ही बाहर निकल आया। बाहर आते ही घोंघा चकित रह गया। जितनी दूर तक उसकी आँखें देख सकती थीं उसके सामने बहुत बड़ा, लंबा चौड़ा-सा मैदान था।

वास्तव में वह बच्चों के खेलने की जगह थी। पर घोंघे ने तो सोचा ही नहीं था कि इतनी बड़ी जगह भी हो सकती है। "वाह! दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है," घोंघे ने कहा।

उसी समय खड़-खड़ की आवाज़ आई। घोंघे को लगा कि पूरा आकाश ढँक गया है। वह डर के मारे ज़ोर से चिल्लाया, "उई!" फिर वह अपने ऊपर हँसने लगा। उसने देखा कि एक सूखा पत्ता उसके ऊपर आ गिरा था। "वाह, दुनिया तो कितनी मज़ेदार जगह है" घोंघे ने कहा। वह उस सूखी-भूरी पत्ती के नीचे से बाहर निकल गया।

शब्दार्थ—**दुनिया**—संसार (world), **शंख**—आवरण (shell)

थोड़ा आगे एक बड़ा-सा पत्थर पड़ा हुआ था। घोंघे को लगा यह ज़रूर कोई पहाड़ होगा। वह झट-से उस पर चढ़ गया और दुनिया के नज़ारे देखने लगा।

घोंघे ने अपनी ज़िंदगी में पहली बार लाल चींटों को देखा। वे अपने लंबे-पतले पाँवों से तेज़ी से इधर-उधर आ-जा रहे थे। उसने देखा कि एक गिलहरी फुदक-फुदककर तेज़ी से एक पेड़ पर चढ़ गई। उसने देखा कि दूर एक गेंद लुढ़कती हुई जा रही है और एक कुत्ता ज़ोर से उसके पीछे भाग रहा है। "वाह, दुनिया में सब कुछ कितनी तेज़ी से चलता है" घोंघे ने कहा।

"बगीचे में तो सब कुछ धीरे-धीरे चलता था, मेरे जैसे।"

तभी अचानक उसने एक ऐसी चीज़ देखी जिससे उसका सर चकरा गया। अभी तक तो घोंघे ने पौधे या छोटे पेड़ ही देखे थे। पर यहाँ पर तो एक ऐसा लंबा

शब्दार्थ–**नज़ारे**–दृश्य (scene, view)

पेड़ था जो पूरे आसमान तक जाता था। बेचारे घोंघे ने कभी खजूर का पेड़ नहीं देखा था।

वहाँ एक और पेड़ था जो इतना बड़ा था कि घोंघा उसके एक छोर से दूसरे छोर तक भी नहीं देख पाता था। बड़ के पेड़ से जो उसका पाला पड़ गया था, इसलिए। घोंघे की आँखें आश्चर्य से और भी खुल गईं। फिर थोड़ी और, और भी चौड़ी हो गईं। उसने कहा, "वाह, सचमुच दुनिया कितनी अद्‌भुत जगह है।" घोंघे ने तय कर लिया कि अब तो वह इस दुनिया में ही रहेगा।

जीवन-सूत्र

- घर से बाहर निकलकर ही संसार की विविधताओं को जाना-समझा जा सकता है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

1. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास–

घोंघा ज़िंदगी बगीचा छेद ज़्यादा शंख वास्तव लुढ़कती

2. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए–

(क) घोंघा कहाँ रहता था?

(ख) बगीचा कैसा था?

(ग) घोंघा क्या सोचता रहता था?

लिखित

1. सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

(क) घोंघा बगीचे की दीवार के छेद से रोज़ बाहर निकल जाता था। ☐

(ख) घोंघा बहुत तेज़-तेज़ चलता था। ☐

(ग) घोंघा दीवार के छेद को रोज़ देखता था। ☐

(घ) घोंघा बगीचे की दुनिया में ही रहना चाहता था। ☐

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) घोंघे ने अपनी सारी ज़िंदगी कहाँ बिताई?

(ख) घोंघे की माँ उससे क्या कहा करती थीं?

(ग) घोंघा क्यों डर गया?

(घ) घोंघे ने दुनिया के सुंदर नज़ारे कहाँ से देखे?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए–

(क) घोंघे का सिर क्यों चकरा गया?

(ख) घोंघे को बाहर की दुनिया कैसी लगी और क्यों?

भाषा ज्ञान

1. पढ़िए और समझिए–

बहुत छोटा	पहली बार	ज़्यादा बदमाशी
पूरा आसमान	सूखी-भूरी पत्ती	इतना बड़ा

रेखांकित शब्द दिए गए शब्दों की विशेषता बताते हैं। इनके प्रयोग से एक-एक वाक्य बनाइए–

(क) .....

(ख) .....

(ग) .....

(घ) .....

2. वचन बदलिए–

बगीचा – ..... दीवार – .....

आवाज़ – ..... चींटी – .....

3. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए–

ज़्यादा – ..... तेज़ – .....

पीछे – ..... बड़ा – .....

विषय संवर्धक क्रियाकलाप

सोचिए और बताइए

1. आपको दुनिया कैसी लगती है? घर और विद्यालय के अलावा आपने क्या-क्या देखा है?
2. आप अगर घोंघे की जगह होते तो क्या करते? बताइए।

क्रियाकलाप

1. घोंघे के बारे में निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर जानकारी एकत्र कीजिए–
   (क) जन्म और भोजन (ख) रहन-सहन (ग) पसंद-नापसंद
2. अपने किसी पसंदीदा पशु-पक्षी या कीट की विशेषताएँ बताइए। यह भी बताइए कि वे आपको क्यों अच्छे लगते हैं?

अतिरिक्त पठन

तिरुवल्लुवर

संतों की वाणी से साहित्य भंडार में वृद्धि होती है। छोटी-छोटी काव्य पंक्तियों में वे 'गागर में सागर' भरते हैं। हिंदी के संत कवि कबीर की तरह दक्षिण (तमिलनाडु) के तिरुवल्लुवर महान संत कवि और परोपकारी मानव थे। उनके 'तिरुक्कुरल' प्रसिद्ध हैं।

तिरुवल्लुवर दक्षिण के तमिलनाडु के संत कवि थे। वे जुलाहे परिवार से संबंध रखते थे। वे शुद्ध मन से भगवान की प्रार्थना करते थे। संसार में रहकर भी उन्होंने भगवान की कृपादृष्टि को पा लिया था। उनके अनुसार अन्न 'पूर्ण ब्रह्म' था। वे खाने का एक दाना भी व्यर्थ नहीं गँवाते थे। इस संदर्भ में उनके जीवन की एक घटना हमें प्रेरणा देती है–

तिरुवल्लुवर जब भी भोजन के लिए बैठते, तो अपनी पत्नी वासुकी से थाली के पास एक सुई और पानी से भरी कटोरी रखने के लिए कहते। यह क्रम कई दिनों, महीनों, सालों तक चला। वासुकी सरल स्वभाव की थी। उसके मन में कटोरी और सुई के बारे में जानने की जिज्ञासा थी। एक बार वासुकी बहुत बीमार पड़ी, तब कौतुहलवश उसने 'कटोरी और सुई' की बात जाननी चाही। तब तिरुवल्लुवर ने बताया कि वे सुई और कटोरी में पानी इसलिए रखते थे ताकि अन्न का एक दाना भी बेकार न जाए। यदि अन्न का कोई दाना ज़मीन पर गिर भी जाता तो सुई से उठाकर उसे पानी में धोकर खा लेते। यह घटना हमें प्रेरणा देती है कि अन्न का एक दाना भी फेंकें नहीं। इस प्रकार उनके जीवन की अनेक घटनाएँ मानव समाज के लिए प्रेरक बनी हैं। 'तिरुक्कुरल' में उनके द्वारा रचित पंक्तियाँ हैं जो कबीर के दोहों की तरह ज्ञान का सागर हैं।

गतिविधि-2

अध्यापन-संकेत–कुछ समाज सुधारकों के चित्र चिपकवाएँ तथा उनके कार्यों की चर्चा करें।

ये भी जानें

भारत के राष्ट्रपति

1950–1962

डॉ० राजेंद्र प्रसाद

1962–1967

डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन

1967–1969

डॉ० ज़ाकिर हुसैन

1969–1974

वी०वी० गिरी

1974–1977

फख़रुद्दीन अली अहमद

1977–1982

नीलम संजीवा रेड्डी

1982–1987

ज्ञानी जैल सिंह

1987–1992

रामास्वामी वेंकटरमन

1992–1997

डॉ० शंकर दयाल शर्मा

1997–2002

के०आर० नारायणन

2002–2007

डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम

2007–2012

प्रतिभा पाटिल

2012–2017

प्रणव मुखर्जी

2017–

रामनाथ कोविंद

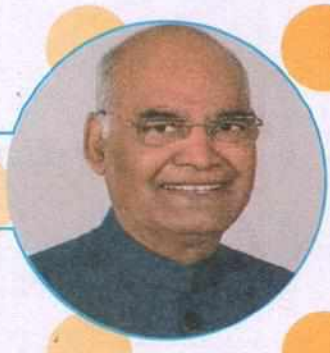

परियोजना पत्र 1

कविता लेखन

दिए गए वाक्यों की सहायता से एक कविता लिखिए–

- मैं और मेरा देश
- सुंदर, महान देश है मेरा
- प्यारा देश है मेरा
- वन, हरियाली, नदी का देश
- पवित्र देश
- नमन देश को, नमन वतन को
- तिरंगा प्यारा, भारत प्यारा, न्यारा भारत मेरा

अध्यापन-संकेत–दिए गए शब्द तथा वाक्यों के सहयोग से एक सकारात्मक कविता लिखवाइए।

2

परियोजना पन्ना

तितली का जीवन चक्र

अध्यापन-संकेत–'बीज चक्र' की तरह 'तितली का जीवन चक्र' के बारे में चर्चा करें। इससे संबंधित चित्र चिपकवाएँ।

परियोजना पन्ना 3

शब्द-ज्ञान

संकेतों की सहायता से शब्द पहेली पूरी कीजिए-

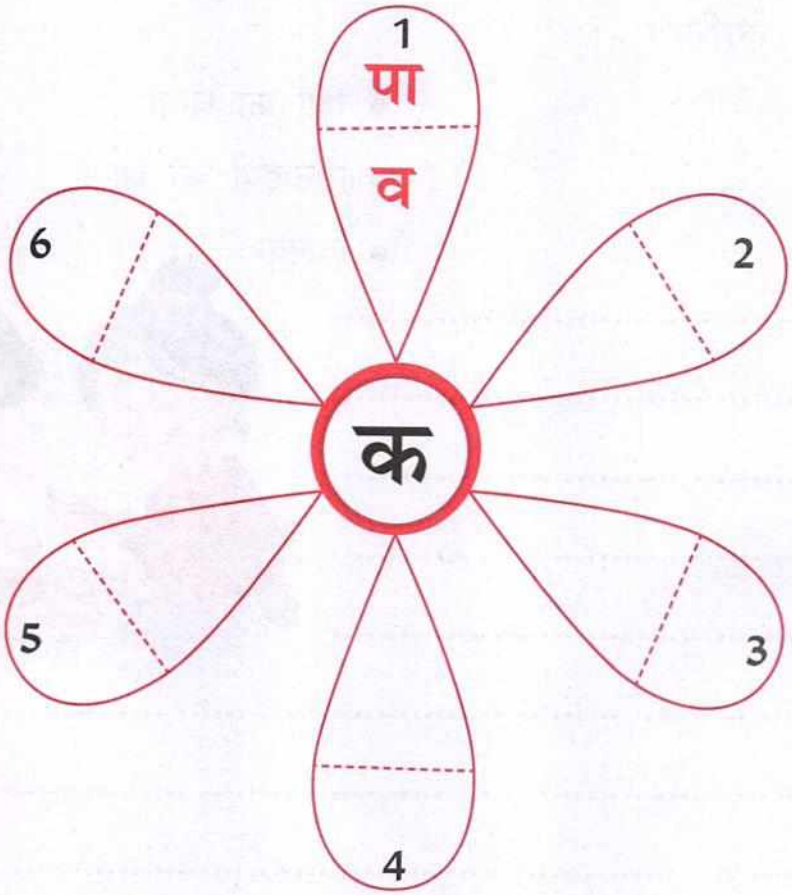

संकेत-

1. आग, अनल
2. जिस पर बजाते समय थाप पड़ती है।
3. गेहूँ, सोना
4. चूड़ियों की ध्वनि
5. हरी सब्ज़ियों का राजा
6. फूलों की खुशबू

4

परियोजना पन्ना

वाक्य-रचना

दिए गए संकेत बिंदुओं की सहायता से पर्व की पहचान कीजिए और उस पर पाँच वाक्य लिखिए–

- सावन मास
- भाई-बहन
- स्नेह और प्रेम
- रक्षा का धागा
- मिठाइयों की थाली
- तिलक

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अध्यापन-संकेत–संकेत बिंदुओं के माध्यम से वाक्य-रचना का अभ्यास कराएँ।

परियोजना पत्र 5

सूची-निर्माण

पत्र-लेखन करते समय किन-किन वस्तुओं की ज़रूरत होती है? उनकी सूची बनाइए–

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

अध्यापन-संकेत–वर्ग में पत्र-लेखन की चर्चा करें।

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

- कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से समझते और सुनते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।
- कहानी, कविता आदि को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, गति, प्रवाह और सही पुट के साथ सुनाते हैं।
- सुनी हुई रचनाओं की विषय-वस्तु, घटनाओं, पात्रों, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं, अपनी प्रतिक्रिया देते हैं, राय बताते हैं/अपने तरीके से (कहानी, कविता आदि) अपनी भाषा में व्यक्त करते हैं।
- आस-पास होने वाली गतिविधियों/घटनाओं और विभिन्न स्थितियों में हुए अपने अनुभवों के बारे में बताते, बातचीत करते और प्रश्न पूछते हैं।
- कहानी, कविता अथवा अन्य सामग्री को समझते हुए उसमें अपनी कहानी/बात जोड़ते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर आधारित प्रश्न पूछते हैं/अपनी राय देते हैं/शिक्षक एवं अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (मौखिक, सांकेतिक) देते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों को संदर्भ में समझकर उनका अर्थ सुनिश्चित करते हैं।
- तरह-तरह की कहानियों, कविताओं/रचनाओं की भाषा की बारीकियों (जैसे–शब्दों की पुनरावृत्ति, संज्ञा, सर्वनाम, विभिन्न विराम-चिह्नों का प्रयोग आदि) की पहचान और प्रयोग करते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत वर्तनी के प्रति सचेत होते हुए स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) करते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में शब्दों के चुनाव, वाक्य संरचना और लेखन के स्वरूप (जैसे–दोस्त को पत्र लिखना, पत्रिका के संपादक को पत्र लिखना) को लेकर निर्णय लेते हुए लिखते हैं।
- विभिन्न उद्देश्यों के लिए लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे–पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।
- अलग-अलग तरह की रचनाओं/सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ने के बाद उस पर अपनी प्रतिक्रिया लिखते हैं, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर (लिखित/ब्रेल लिपि आदि में) देते हैं।